डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

सिनेमा- क्या रणबीर के बच्चे की मां बनने वाली हैं आलिया भट्ट पोस्ट

वर्ष -08 अंक -104 | प्रयागराज, बुधवार 29 जून, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कोरोना के मामलों में भारी बढ़ोतरी कल की तुलना में 50 फीसदी अधिक मिले मरीज

महाराष्ट्र। 21 की मौत स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी सोमवार के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 17,073 नए मामले सामने आए हैं जो कि कल की तुलना में लगभग 50 फीसदी अधिक है। देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में बढ़ोतरी ने एक बार फिर से लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी सोमवार के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 17,073 नए मामले सामने आए हैं जो कि कल की तुलना में लगभग 50 फीसदी अधिक है। वहीं इस दौरान 21 मरीजों की जान चली गई। बता दें कल के आंकड़े में 11,739 मामले सामने आए थे और 25 मरीजों की मौत हुई थी। हालांकि, बीते 24 घंटों में 15,208 लोग डिस्चार्ज भी हुए। देश में सक्रिय मरीजों की संख्या 94,420 हो गई है जो कि कल की तुलना में 1,844 अधिक है। महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक कुल 52,50,20 लोगों की मौत हुई है। दिल्ली में बीते 24 घंटों में कोरोना के 666 नए मामले सामने आए हैं और छह लोगों की मौत हो गई। वहीं संक्रमण दर 7.8 फीसदी दर्ज की

गई। कुल सक्रिय मामलों की संख्या 4717 है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि बीते एक सप्ताह में 17 जून को दिल्ली में 190 कंटेनमेंट जोन थे, जो 24 जून तक बढ़कर 322 हो गए हैं। महाराष्ट्र में बीते 24 घंटों में कोरोना के 6,493 मामले सामने आए हैं और इस दौरान पांच मरीजों की मौत हो गई। इसी के साथ राज्य में कुल संक्रमितों की तादाद बढ़कर 79,56,848 और मृतकों की संख्या बढ़कर 1,47,905 हो गई है। पुणे के बीजे मेडिकल कॉलेज की रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के सब वैरिएंट .5 के 3 और .4 के 2 रोगियों का पता चला। विभाग ने बताया कि ये सभी नमूने 10 से 20 जून 2022 के दौरान एकत्र किए गए थे।

क्या अगले तीन दिन में महाराष्ट्र में सरकार बना लेगी भाजपा ये पांच बिंदु कर रहे इशारा

महाराष्ट्र। लड़ाई अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुकी है। इस बीच कहा जा रहा है कि भाजपा अब महाराष्ट्र में सरकार बनाने के काफी करीब पहुंच चुकी है। कई ऐसे घटनाक्रम हैं जो इसकी ओर इशारा कर रहे हैं। आइए पांच पॉइंट्स में जानते हैं कि कैसे महाराष्ट्र में भाजपा के लिए सत्ता का दरवाजा खुलता हुआ दिख रहा है 1. राज ठाकरे के साथ जाएंगे बागी विधायक? : खबर है कि एकनाथ शिंदे का गुट राजनीति के नए विकल्प तलाश रहा है। शिवसेना के नाम पर राजनीति करने वाला शिंदे गुट ठाकरे नाम और हिंदुत्व दोनों को नहीं छोड़ना चाहता है। ऐसे में एकनाथ शिंदे गुट के 38 विधायक राज ठाकरे की पार्टी मनसे में शामिल हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एकनाथ शिंदे ने इस मसले पर राज ठाकरे से दो बार फोन पर बातचीत भी की है। इस बीच, शिंगे गुट ने उद्धव सरकार से समर्थन वापस लेने का भी एलान कर दिया है। माना जा रहा है कि अगर बागी विधायक राज ठाकरे के साथ जाते हैं तो मनसे और भाजपा मिलकर महाराष्ट्र में नई सरकार बना सकती है। 2. केंद्रीय मंत्री का बयान : महाराष्ट्र में जारी संकट के बीच भाजपा ने पहली बार सरकार बनाने के संकेत दिए हैं। केंद्रीय मंत्री राव साहेब दानवे ने कहा कि मैं अब भी दो से तीन दिन तक विपक्ष में हूं। उनके इस बयान को सरकार बनाने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। जब दानवे ने ये बयान दिया तब महाराष्ट्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे भी वहां मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री

ने कहा, 'टोपे साहेब... मैं पिछले ढ़ाई साल से केंद्रीय मंत्री हूं और आप राज्य सरकार में मंत्री। इसलिए आप जो करना चाहते हैं, जल्दी करिए। मैं अगले दो से तीन दिन और विपक्ष में रहूंगा। तब तक मैं विपक्ष के नेता के तौर पर आपके बाद ही अपने विचार रखूंगा।' सियासी उठापठक के बीच महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने बागी विधायकों की सुरक्षा को लेकर व्यवस्था करने का आग्रह किया है। कोश्यारी ने 25 जून को लिखे अपने पत्र में कहा है कि उन्हें शिवसेना के 38 विधायकों, प्रहार जनशक्ति पार्टी के दो सदस्यों और सात निर्दलीय विधायकों से एक आवेदन मिला है जिसमें कहा गया है कि उनके परिवारों की पुलिस सुरक्षा अवैध और गैर कानूनी तरीके से वापस ले ली गई है। इससे विधायकों और उनके परिजनों पर खतरा बढ़ गया है। उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रहीं हैं। महाराष्ट्र की सियासी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुकी है। आज इस मामले में अहम सुनवाई होनी है। दोनों पक्षों की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में दिग्गजों की फौज खड़ी की गई है। उद्धव ठाकरे गुट ने अभिषेक मनु सिंघवी तो शिंदे गुट ने हरीश साल्वे को वकील बनाया है। शिंदे गुट ने कोर्ट में दो-दो अर्जी दाखिल की है। इसमें शिंदे गुट ने विधानसभा उपाध्यक्ष की तरफ से 16 बागी विधायकों की अयोग्यता को लेकर हो रही कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता चंद्र प्रकाश पांडेय कहते हैं कि कोर्ट इस मामले में बड़ा फैसला दे सकता है। कोर्ट उद्धव ठाकरे गुट से बहुमत साबित करने के लिए कह सकता है।

दफ्तर में तोड़फोड़ पर हंगामा काली शर्ट में पहुंचे कांग्रेस विधायक.....

नई दिल्ली। स्वर्ण तस्करी केस को लेकर केरल के सीएम पिनराई विजयन पर भी उंगलियां उठ रही हैं। इसी बीच बीते दिनों में वायनाड से सांसद व कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दफ्तर में तोड़फोड़ की घटना हो गई। केरल विधानसभा में सोमवार को भारी हंगामा हुआ। इसके बाद सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए

स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्यों ने केरल के चर्चित स्वर्ण तस्करी केस और वायनाड में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के दफ्तर में तोड़फोड़ को लेकर जमकर नारेबाजी व हंगामा किया। कांग्रेस विधायक सदन में काली शर्ट पहनकर पहुंचे। स्वर्ण तस्करी केस को लेकर केरल के सीएम पिनराई विजयन पर भी उंगलियां उठ रही हैं। इसी बीच बीते दिनों में वायनाड से सांसद व कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दफ्तर में तोड़फोड़ की घटना हो गई। इन मामलों को लेकर सोमवार को राज्य विधानसभा में भारी हंगामा और शोरशराबा हुआ। इसके बाद स्पीकर को पूरे दिन के लिए विधानसभा की कार्यवाही स्थगित करने पर मजबूर होना पड़ा। कांग्रेस और उसके सहयोगी यूडीएफ के सदस्यों ने सोना तस्करी कांड को लेकर जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस सदस्य सदन में काली शर्ट पहनकर पहुंचे। उन्होंने सत्तारूढ़ वाम गठबंधन की छात्र इकाई एसएफआई के कार्यकर्ताओं द्वारा राहुल गांधी के दफ्तर में तोड़फोड़ को लेकर हंगामा किया। उधर, केरल के सीएम विजयन ने कहा कि विपक्ष विधानसभा की कार्यवाही में खलल डालना चाहता है। लेकिन विपक्ष उसके विरोध प्रदर्शन का कारण नहीं बता रहा है। स्वपन सुरेश ने की पीएम से सीबीआई जांच की मांग चार दिन पहले ही स्वर्ण तस्करी केस की आरोपी स्वपन सुरेशन ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बहुचर्चित स्वर्ण तस्करी केस की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। उसने पत्र में लिखा कि चूंकि राज्य सरकार के अधिकारी खुद प्रमुख संदिग्ध हैं, इसलिए सच्चाई का पता लगाने के लिए सीबीआई जांच जरूरी है। स्पपन ने पीएम से व्यक्तिगत रूप से मिलने का अवसर देने का भी अनुरोध किया। हाईरेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (एचआरडीएस) इंडिया के लेटरहेड पर लिखे अपने पत्र में स्वपन ने कहा है, सच्चाई का पता लगाने के लिए सीबीआई जांच जरूरी है। यह उचित होगा अगर केरल सरकार इस मामले में हस्तक्षेप न करे क्योंकि सरकारी अधिकारी खुद प्रमुख संदिग्ध हैं। स्वपन ने हाल ही में मीडिया के सामने कुछ खुलासे किए थे जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि विजयन, उनके परिवार के सदस्य और एलडीएफ विधायक के टी जलील तस्करी के मामले में शामिल हैं। इसने राज्य में राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया था। स्वपन ने मीडिया के सामने दावा किया था कि उसने आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत अदालत के समक्ष अपने बयान में इसे दर्ज किया था।

महाराष्ट्र की राजनीति में नया मोड़, राज ठाकरे की मनसे में शामिल हो सकता है शिंदे गुट

नई दिल्ली। शिवसेना के नाम पर राजनीति करने वाला शिंदे गुट ठाकरे नाम और हिंदुत्व दोनों को नहीं छोड़ना चाहता है। ऐसे में एकनाथ शिंदे गुट के 38 विधायक राज ठाकरे की पार्टी मनसे में शामिल हो सकते हैं। उसके लिए सबसे आसान यही है कि वह राज ठाकरे की पार्टी मनसे में विलय कर ले। महाराष्ट्र में पिछले एक सप्ताह से चल रहे सियासी ड्रामे के बीच नए समीकरण बनते दिख रहे हैं। अब खबर है कि शिवसेना का बागी एकनाथ शिंदे गुट राजनीति के नए विकल्प तलाश रहा है। शिवसेना के नाम पर राजनीति करने वाला शिंदे गुट ठाकरे नाम और हिंदुत्व दोनों को नहीं छोड़ना चाहता है। ऐसे में एकनाथ शिंदे गुट के 38 विधायक राज ठाकरे की पार्टी मनसे में शामिल हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एकनाथ शिंदे ने इस मसले पर राज ठाकरे से दो बार फोन पर बातचीत भी की है। भले ही कहा जा रहा हो कि शिंदे ने राज ठाकरे की तबीयत जानने के लिए उन्हें फोन किया था, लेकिन इसकी असली वजह यही बताई जा रही है कि शिंदे गुट मनसे में शामिल होकर राज्य में राजनीति के नए समीकरण गढ़ना चाहता है। गुपचुप हुई मुलाकात में तय हो गया था सब रिपोर्ट्स की मानें तो शिंदे गुट का मनसे में विलय दो दिन पहले देवेंद्र फडणवीस से एकनाथ शिंदे की गुपचुप मुलाकात में ही तय हो गया था।

क्या संजय राउत के भाई भी शिंदे खेमे में होंगे शामिल बगावत की अटकलों पर सुनील राउत ने तोड़ी चुप्पी.....

नई दिल्ली। सुनील राउत के बारे में कल अटकलें लगाई जा रही थीं कि वे भी जल्द गुवाहाटी जाकर शिवसेना के बागियों का साथ दे सकते हैं। महाराष्ट्र में जारी सियासी घमासान के बीच शिवसेना नेता संजय राउत के भाई सुनील राउत ने उन्हें लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया। सुनील राउत ने साफतौर कहा कि वह गुवाहाटी में मौजूद शिवसेना के गद्दारों का मुंह देखने वहां नहीं जाएंगे। सुनील राउत वरिष्ठ शिवसेना नेता संजय राउत के छोटे भाई हैं। वे विक्रोली सीट से शिवसेना विधायक हैं। सुनील राउत के बारे में कल अटकलें लगाई जा रही थीं कि वे भी जल्द गुवाहाटी जाकर शिवसेना के बागियों का साथ दे सकते हैं। राउत ने सोमवार को कहा कि 'मैं गुवाहाटी क्यों जाऊं? इसके बजाए मैं प्राकृतिक सुंदरता देखने के लिए गोवा जाना पसंद करूंगा। मैं एक शिव सैनिक हूं और आखिरी सांस तक पार्टी के लिए काम करूंगा।' उन्होंने कहा कि नारायण राणे और राज ठाकरे जो चाहें सब कह सकते हैं, लेकिन उद्धव ठाकरे निश्चित

रूप से जीतेंगे। मैं शिवसेना में था और इस पार्टी में रहूंगा। राज ठाकरे के संपर्क में शिंदे गुट महाराष्ट्र में पिछले एक सप्ताह से चल रहे सियासी ड्रामे के बीच नए समीकरण बनते दिख रहे हैं। खबर है कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला बागी गुट राज ठाकरे के संपर्क में हैं। इसके साथ ही महाराष्ट्र में नए राजनीतिक विकल्प की तलाश शुरू हो गई है। शिंदे गुट ठाकरे नाम और हिंदुत्व दोनों को नहीं छोड़ना चाहता है। ऐसे में एकनाथ शिंदे गुट के 38 विधायक राज ठाकरे की पार्टी मनसे में शामिल हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एकनाथ शिंदे ने इस मसले पर राज ठाकरे से दो बार फोन पर बातचीत भी की है। खबरों के मुताबिक शिंदे गुट का राज ठाकरे की मनसे में विलय दो दिन पहले देवेंद्र फडणवीस से एकनाथ शिंदे की गुपचुप मुलाकात में ही तय हो गया था। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में देश के गृहमंत्री अमित शाह भी शामिल हुए थे। भले ही एकनाथ शिंदे के पास शिवसेना के 38 बागी विधायकों का समर्थन हो, लेकिन नई पार्टी के रूप में उनको मान्यता मिलना आसान नहीं है। ऐसे में शिंदे गुट राष्ट्रपति चुनाव से पहले इस मसले को हल करना चाहता है।

मुख्य आरोपी लॉरेंस बिश्नोई के पिता पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मामले की जांच पंजाब पुलिस को करनी चाहिए क्योंकि, हत्या वहीं हुई थी। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 11 जुलाई को विस्तृत सुनवाई करेगा। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में मुख्य आरोपी लॉरेंस बिशनेई के पिता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका में उन्होंने पंजाब पुलिस को ट्रांजिट रिमांड देने को चुनौती दी है। वहीं उन्होंने शिकायत की है कि उन्हें कानूनी सहायता नहीं मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मामले की जांच पंजाब पुलिस को करनी चाहिए क्योंकि, हत्या वहीं

हुई थी। कोर्ट ने कहा कि बिशनेई को हाईकोर्ट का रुख करना चाहिए और उसे कानूनी सहायता के लिए वकील भी मिलेगा। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 11 जुलाई को विस्तृत सुनवाई करेगा। मनकीरत औलख को क्लीन चिट सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में पंजाब पुलिस ने गायक मनकीरत औलख को क्लीन चिट दे दी है। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच के दौरान औलख के खिलाफ उन्हें कोई सबूत नहीं मिला। गायक औलख पर पंजाबी सिंगरों की सूचना गैंगस्टरों को देने के आरोप लग रहे थे। 29 मई को सिद्धू मूसेवाला की ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई थी। गैंगस्टर लॉरेंस बिशनेई ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी। इसके बाद गैंगस्टर दविंदर बंबीहा ग्रुप की तरफ से कहा गया था मूसेवाला की हत्या में गायक मनकीरत औलख का हाथ है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लॉरेंस बिशनेई और मनकीरत औलख की तस्वीरें पोस्ट कर दावा किया जाने लगा कि कि दोनों खास दोस्त हैं। ऐसे ही एक तस्वीर में दोनों एक-दूसरे के कंधे पर हाथ रखकर खड़े दिखाई दे रहे हैं।

2022: राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को मिला एक और पार्टी का समर्थन, आज करेंगे नामांकन

नई दिल्ली। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को समर्थन देने का फैसला किया है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव और मुख्यमंत्री केसीआर आज सिन्हा के नामांकन कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। बता दें कि कांग्रेस समेत 17 विपक्षी दलों ने यशवंत सिन्हा को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए समर्थन देने का फैसला किया है। नामांकन के दौरान एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, माकपा नेता सीताराम येचुरी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी समेत कई अन्य विपक्षी नेता भी मौजूद रहेंगे। राजग उम्मीदवार की स्पष्ट बढ़त पर सिन्हा ने दावा किया कि उन्हें कई अदृश्य ताकतों का समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव से नाम वापस लेने

का सवाल ही नहीं उठता है। इससे पहले उन्होंने वादा किया था कि यदि वह चुनाव जीते तो किसानों, कामगारों, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं और हाशिये पर पड़े समाज के सभी वर्गों की आवाज को उठाएंगे। राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 18 जुलाई को कराया जाएगा और मतगणना 21 जुलाई को होगी। राजग उम्मीदवार की स्पष्ट बढ़त पर सिन्हा ने दावा किया कि उन्हें कई अदृश्य ताकतों का समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव से नाम वापस लेने का सवाल ही नहीं उठता है। इससे पहले उन्होंने वादा किया था कि यदि वह चुनाव जीते तो किसानों, कामगारों, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं और हाशिये पर पड़े समाज के सभी वर्गों की आवाज को उठाएंगे। राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 18 जुलाई को कराया जाएगा और मतगणना 21 जुलाई को होगी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी दलों को अपने उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की जीत सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि यदि कोई राष्ट्रपति चुनाव के अंकगणित पर नजर डालें तो स्थिति उतनी खराब नहीं है, जितनी बताई जा रही है और विपक्षी दलों को अच्छी लड़ाई लड़ने के लिए ठोस प्रयास करने होंगे। पवार ने कहा, 'जब हम चुनाव लड़ते हैं, तो हम जीतने के लिए लड़ते हैं। जब दो उम्मीदवार हों, तो दोनों जीत नहीं सकते। प्रत्येक उम्मीदवार के लिए स्थिति अलग है। यह मुकाबला सिद्धांतों के बारे में है। हमने यशवंत सिन्हा को अपने साझा उम्मीदवार के रूप में चुना है और उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करना हमारी जिम्मेदारी है।

संगठन के विकास, विस्तार व सदस्यों की समस्याओं पर हुई परिचर्चा.....

(आधुनिक समाचार सेवा)

हडिया (प्रयागराज)। एंटी क्राईम एंटी करप्शन टी. के क्षेत्रीय कार्यालय में हंडिया प्रभारी निशा मिश्रा के नेतृत्व में संगठन में ऊर्जावान सदस्यों की नव नियुक्ति कर संगठन के विकास विस्तार व विभिनन विषयों पर परिचर्चा कर नये सदस्यों को परिचय पत्र, नियुक्ति प्रमाण पत्र सहित माल्यार्पण कर सम्मानित किया और उन्हें सेवा व समर्पण का संकल्प दिलाया गया जिसमें मुख्य रुप से माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री अवधेश कुमार निषाद जी, जिला उपाध्यक्ष निशा मिश्रा, श्री रतनेश कुमार जायसवाल, सचिव हंडिया श्री अरुण कुमार केसरवानी सह-सचिव हंडिया श्री नीरज कुमार जायसवाल जी सह-सचिव हंडिया व विनोद कुमार केसरी, श्री श्याम बाबू केसरवानी.श्री सत्यदेव केसरवानी, श्री धर्मेंद्र कुमार कनौजिया,श्री मोहम्मद इमरान,श्री दीपू सोनी,श्री शिवांशु दुबे,श्री सुमित जी,श्री मनीष केसरवानी,श्री सचिन सेठ,श्री प्रवीण जायसवाल,श्री गोपी मोदनवाल,श्री ऋषिकेश सोनी,श्रीविजय राज मौर्य,श्री,शुभम सेठ श्री हिमांशु जायसवाल एवं हंडिया यूनिट के सदस्यगण सहित स्थानीय गणमान्यजन उपस्थित थे।

आपराधिक कृत्यों से अर्जित लगभग इकत्तीस लाख रुपये की सम्पत्ति कुर्क/जब्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 महोदय के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध आपराधिक कृत्यों से अर्जित संपत्ति के जब्तीकरण संबंधी चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना रेउसा व सकरन पुलिस द्वारा जिलाधिकारी सीतापुर के आदेश पर आपराधिक कृत्यों द्वारा अर्जित की गयी संपत्ति (कुल 02 अदद पक्का मकान) को थाना सकरन पर पंजीकृत मु0अ0सं0 272/22 धारा 2/3 उ0प्र0 गैंगेस्टर अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत अभियोग में 14(1) यू.पी. गैंगेस्टर एक्ट 1986 के तहत जब्त/कुर्क करने की कार्यवाही की गयी है। संपत्ति की कुल कीमत लगभग इकत्तीस लाख रुपये (31,00,000/- रू0) आंकी गयी है अभियुक्त 1.दिनेश गुप्ता पुत्र ठाकुर प्रसाद निवासी कस्बा व थाना सकरन जनपद सीतापुर 2.रामनरेश पुत्र शिवसागर निवासी ग्राम दुगाना थाना सकरन जनपद सीतापुर के माध्यम से आर्थिक एवम् भौतिक लाभ हेतु अपराध करने का अभ्यस्त अपराधी हैं। अभियुक्तगण 1.दिनेश गुप्ता पुत्र ठाकुर प्रसाद निवासी कस्बा व थाना सकरन जनपद सीतापुर 2.रामनरेश पुत्र शिवसागर निवासी ग्राम दुगाना थाना सकरन जनपद सीतापुर इसके सक्रिय सदस्य हैं। अभियुक्तगण शराब में मिलावट कर नकली टैग का प्रयोग करते हुए बिक्री करने का कारोबार करते हैं, जिनके विरुद्ध इस संबंध में जनपद सीतापुर में अभियोग पूर्व से ही पंजीकृत है। अभियुक्तों की आय का कोई ज्ञात स्रोत नहीं था। अभियुक्तों के पास इतनी पैतृक संपत्ति नही है कि जिसकी आमदनी से इतने अल्पसमय में इतनी मूल्यवान संपत्ति खरीदीं/निर्मित की जा सके। अपराध से अर्जित संपत्ति का उपयोग एवम् उपभोग अभियुक्तों एवम् उनके परिवारीजन/सहयोगियों द्वारा किया जा रहा था। विवेचना के दौरान धारा 14(1) गैंगेस्टर एक्ट के अंतर्गत विवेचक द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय को साक्ष्य संकलित करते हुए एक विस्तृत रिपोर्ट प्रेषित की गयी। पुलिस द्वारा प्रेषित रिपोर्ट के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट सीतापुर द्वारा अभियुक्तगण उपरोक्त द्वारा अपराध से अर्जित की गयी संपत्तियों को जब्त करने का आदेश निर्गत किया। जिला मजिस्ट्रेट सीतापुर द्वारा निर्गत आदेश के क्रम में अभियुक्त दिनेश गुप्ता व रामनरेश उपरोक्त की निमन संपत्तियों को पुलिस एवम् प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में जब्तीकरण/कुर्की की कार्यवाही पूर्ण की गयी। भविष्य में भी इस प्रकार के गैंगेस्टर अपराधियों के चिन्हीकरण और उनके द्वारा अर्जित की गयी अवैध सम्पत्तियों का चिन्हांकन कर उनकी जब्तीकरण की कार्यवाही प्रचलित रहेगा

अभियुक्त दिनेश गुप्ता व रामनरेश उपरोक्त की कुर्क/जब्त की गयी सम्पत्ति का विवरण क्र.सं सम्पत्ति धारक का नाम/पता सम्पत्ति का विवरण अनुमानित कीमत 1 दिनेश गुप्ता पुत्र ठाकुर प्रसाद निवासी कस्बा व थाना सकरन जनपद सीतापुर कस्बा सकरन में स्थित एक अदद पक्का मकान 31,00,000/- 2 रामनरेश पुत्र शिवसागर निवासी ग्राम दुगाना थाना सकरन जनपद सीतापुर दुगाना में स्थित एक अदद पक्का मकान कुल योग इकत्तीस लाख रुपये(31,00,000/-) आपराधिक इतिहास अभियुक्त दिनेश गुप्ता व रामनरेश उपरोक्त का आपराधिक इतिहास- 1.मु0अ0सं0 463/2021 धारा 60/63/72 आबाकारी अधिनियम व 420/467/468/471/272/273/255भा0द0वि0 व 51/63 कॉपीराइट एक्ट थाना सकरन जनपद सीतापुर। 2.मु0अ0सं0 272/2022 धारा.2/3 गैंगस्टर एक्ट थाना सकरन जनपद सीतापुर।

जावेद पंप के मकान के ध्वस्तीकरण के मामले से खंडपीठ ने अपने को किया अलग

प्रयागराज। सुनवाई के दौरान प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने अपना पक्ष रखने के लिए एक वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने अपना वकालत नामा फाइल किया है। इसके साथ ही मामले की सुनवाई से अपने आप को अलग करते हुए दूसरी पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए नामित करने के लिए भेज दिया। याचिका जावेद की पतने परवीन फातिमा ने दाखिल की है। याचिका में परवीन ने अवैध तरीके से उसका मकान तोड़ने की शिकायत की है। साथ ही दोबारा मकान बनने तक रहने के लिए सरकारी आवास मुहैया कराने की मांग की है। परवीन फातिमा ने कहा है कि जिस मकान को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया, वह उसके नाम पर है, न कि उसके शौहर के नाम पर। यह मकान याची को उसके पिता से उपहार में मिला था। नगर निगम व राजस्व दस्तावेजों में याची का ही नाम दर्ज है। जबकि जुमे की नमाज के बाद वाली घटना के बाद उसे और उसकी बेटी को पुलिस महिला थाने उठा ले गई।

पुलिस गई और नोटिस चस्पा कर चली आई। उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को इसकी जानकारी भी नहीं हुई। 12 जून को मकान ध्वस्त कर दिया गया। इन सब घटनाओं की सही और प्रॉपर तरीके से उन्हें और उनके परिवार को जानकारी तक नहीं हो सकी। नोटिस भी उसके पति के नाम दिया गया और याची को अपील दाखिल करने या पक्ष रखने का कोई मौका दिए बगैर मकान ध्वस्त कर दिया गया। याचिका में कहा गया है कि 10 जून की पत्थरबाजी व तोड़फोड़ की घटना के बाद उसी रात पुलिस ने उसके शौहर जावेद मोहम्मद पंप को थाने बुलाया और अवैध रूप से गिरफ्तार कर लिया। यही नहीं, देर रात महिला थाने की पुलिस याची व उसकी बेटी को भी थाने ले गई। तीन दिन तक दोनों को अवैध रूप से हिरासत में रखा गया। समक्ष सुनवाई के लिए नामित करने के लिए भेज दिया प्रयागराज के अटाला में 10 जून को जुमे की नमाज के बाद हुए बवाल के मुख्य आरोपी जावेद मोहम्मद पंप का मकान ढहाने के मामले में सोमवार को खंडपीठ ने अपने आप को अलग करते हुए सुनवाई के लिए मंगलवार की तिथि लगाई है। मकान ध्वस्तीकरण का मामला न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की खंडपीठ कर रही थी। सुनवाई के दौरान प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने अपना पक्ष रखने के लिए एक वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने अपना वकालत नामा फाइल किया है। इसके साथ ही मामले की सुनवाई से अपने आप को अलग करते हुए दूसरी पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए नामित करने के लिए भेज दिया। याचिका जावेद की पतने परवीन फातिमा ने दाखिल की है।

विद्युत कनेक्शन न होने पर कृषक पी0एम0 कुसुम योजना के तहत सोलर पम्प लगवायें-डॉ0रघुराज सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक डा0 रघुराज सिंह ने बताया कि किसानों को खेती करने के लिये पानी और बिजली की उपलब्धता के लिये पी0एम0 कुसुम योजना की शुरूआत की गयी है। इस योजना का उद्देश्य किसानों को सिंचाई के लिये सोलर पम्पर उपलब्ध करवाना है जिससे बिजली और किसानों के श्रम दोनो की बचत हो सके। इस वित्तीय वर्ष में जनपद में 129 किसानों को सोलर पम्प देने का लक्ष्य कृषि विभाग को मिला है। विद्युत कनेक्शन न होने पर कृषक पी0एम0 कुसुम योजना के तहत सोलर पम्प लगवायें-डॉ0रघुराज सिंहइसके लिये किसानों को 03 जुलाई 2022 से लक्ष्य पूर्ण होने तक आनलाइन बुकिंग करानी होगी। इसमें वही किसान बुकिंग करा सकेगें जिनके पास सिंचाई के लिये बिजली का कनेक्शन नहीं होगा। उन्होंने बताया है कि जनपद को 02 एचपी डीसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 10, 02 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 10, 03 एचपी डीसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 40, 03 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 40, 5 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 25, 7.5 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 02 एवं 10 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प लक्ष्य 02 आवंटित हुआ है। उन्होंने बताया कि 2 एचपी हेतु 4 इंच, 3 व 5 एचपी हेतु 6 इंच एवं 7.5 व 10 एचपी हेतु 8 इंच की बोरिंग कृषक के पास होना अनिवार्य है। 2 एचपी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु 50 फुट एवं 3 एचपी सोलर पम्पर हेतु जलस्तर 150 फुट, 5 एचपी के लिये 200 फुट तथा 7.5 व 10 एचपी हेतु 300 फुट तक जल स्तर वाले क्षेत्र के कृषक योजना हेतु पात्र होगें। सोलर पम्प प्राप्त करने हेतु पंजीकृत कृषक विभागीय वेबसाइट पर जाकर जनपद को आवंटित लक्ष्य के 200 प्रतिशत तक टोकन जनरेट कर सकेगें। पंजीकृत कृषक का चयन "पहले आओ पहले पाओ" के आधार पर कि जायेगा। चयनित कृषक अपने जनपद में इण्डियन बैंक की किसी भी शाखा में कृषक अंश की धनराशि टोकन जनरेट होने के दिनांक से 7 दिन के अन्दर कृषक अंश की धनराशि जमा करेगें अन्यथा की स्थिति में उसका टोकन चयन स्वतः निरस्त हो जायेगा। उन्होने बताया कि पीएम कुसुम योजना के तहत किसान भाई 02 एचपी डीसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 58853, 02 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 59171, 03 एचपी डीसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 77806, 03 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 77384, 5 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 109255, 7.5 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 148850 व 10 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प हेतु कृषक अंश 185722 की धनराशि निर्धारित है। किसान भाई अधिक जानकारी हेतु उप कृषि निदेशक कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।

लखनऊ में 04 से 07 जुलाई तक आयोजित होगा आम महोत्सव

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी लखनऊ में आम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उद्यान विभाग की ओर से जनपद के आम बागवानों को अवध शिल्प ग्राम, अवध विहार योजना लखनऊ में आयोजित आम महोत्सव में प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह आयोजन 04 जुलाई से 07 जुलाई तक रहेगा। इसमें बागवान व क्रेता आम विक्री हेतु अपना स्टाल भी साथ में आकर्षक पैकिंग में लाकर विक्रय कर सकते है। जनपद में दशहरी, चौसा, फजली व लंगड़ा आम का उत्पादन अधिक होता है। लगभग 5615 हेक्टेयर क्षेत्रफल में आम का उत्पादन जनपद के मुख्यतः कुण्डा व कालाकांकर विकास खण्ड में किया जा रहा है जिसमें औसतन 77160 मीट्रिक टन का उत्पादन होता है। इस वर्ष आम उत्पादकों के अनुसार मार्च, अप्रैल में तापमान अधिक होने के कारण 30-35 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है जिसमें आम कारोबार प्रभावित हुआ है। उन्होने बताया है कि आम महोत्सव में उत्कृष्ट कोटि के आम प्रदर्शन की प्रतिस्पर्धा होगी जिसमें अच्छे आम उत्पादकों को पुरस्कृत भी किया जायेगा। जनपद का कोई भी बागवान अपने उत्कृष्ट उत्पाद के साथ महोत्सव में प्रतिभाग कर सकता है।

प्रदेश सरकार भूगर्भ जल रिचार्ज हेतु चेकडैम, तालाबों का करा रही है निर्माण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। प्रदेश में गिरते भूगर्भ जल स्तर में सुधार तथा भूगर्भ जल के नियोजित विकास एवं प्रबंधन के साथ भूजल से सम्बंधित समस्याओं के अध्ययन एवं भूजल संरक्षण हेतु जन जागरूकता के लिए 05 योजनाएं यथा-भूगर्भ जल सर्वेक्षण का विकास,आकलन एवं सुदृढ़ीकरण, शासकीय भवनों पर रूफटाप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना, भूजल संसाधनों की गुणवत्ता का अनुश्रवण एवं मैपिंग, भूजल जन-जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार तथा राज्य भूजल भवन की स्थापना तथा नये पीजोमीटर की स्थापना की नवीन योजनायें सरकार द्वारा प्रस्तावित हैं। प्रदेश में भूजल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण, प्रबन्धन एवं विनियमन के दृष्टिगत उ0प्र0 भूगर्भ जल (प्रबन्धन एवं विनियमन) अधिनियम-2019 लागू किया गया है।प्रदेश सरकार भूजल के गिरते स्तर को सामान्य लाने के लिए सम्बंधित क्षेत्रों में वर्षा जल को रोकने के लिए बन्धियां/चेकडैम, बांध, तालाब, पोखरों आदि का निर्माण कराकर जलस्तर बढ़ाने की योजनाएं संचालित की हैं। घरों तथा शासकीय भवनों में रूफटाप रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की योजना संचालित है। जिसके अन्तर्गत शासकीय भवनों एवं निजी घरों के छतों से आने वाले वर्षा के पानी को खोदे गये गड्ढों/हार्वेस्टिंग प्रणाली में एकत्रित कर भूगर्भ जल रिचार्ज में अभिवृद्धि की जा रही है। प्रदेश के डार्क घोषित विकास खण्डों में सरकार द्वारा बंधियां, चेकडैम, तालाबों का निर्माण कराया जा रहा है। भूगर्भ जल रिचार्ज में अभिवृद्धि हेतु स्थानीय नदी, नालों, एवं वर्षा के जलबहाव वाले स्थलों पर चेकडैम बनाकर वर्षा जल को रोकते हुए भूगर्भ जल स्तर को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में अब तक विभिनन नदियों,नालों आदि पर 390 से अधिक चेकडैम बनाये गये हैं। प्रदेश सरकार द्वारा 141.51 करोड़ रूपये व्यय किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्द्धन के अन्तर्गत क्रिटिकल तथा अतिदोहित चयनित विकास खण्डों में भूजल संवर्द्धन, सिंचाई, मछली पालन, पशुओं के लिए पीने का पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने आदि कार्यों हेतु तालाबों का निर्माण/जीणोद्धार कराया जा रहा है। तालाबों के पुनर्विकास एवं प्रबंधन हेतु 01 हे0 से 05 हेक्टेयर क्षेत्रफल तक के तालाबों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2019-20 में 47.60 करोड़ रू0 व्यय करते हुए 118 तालाबों का निर्माण कराया है तथा वित्तीय वर्ष 2020-21 में 48 करोड़ रू0 व्यय करते हुए अब तक 117 तालाबों का निर्माण/जीणोद्धार कराया गया है। वर्ष 2021-22 में 45 तालाबों का जीणोंद्धार/निर्माण करते हुए 11.44 करोड़ रुपये व्यय किये गये है।प्रदेश सरकार भूगर्भ जल के स्तर में वृद्धि करते हुए कृषि उत्पादन में वृद्धि हेतु कृत संकल्पित है। इस दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा कराये जा रहे कार्य सराहनीय हैं।

सिंचाई विभाग के जमीन पर कर लिया गया अतिक्रमण,परेशानी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। अधिशासी अभियन्ता सिंचाई विभाग, प्रतापगढ़ के अधीनस्थ भदरी रजबहा हथिगंवा रोड खिदिरपुर पुल से दक्षिण पटरी पर ईंट का चट्टा, बालू (मोरंग) का ढेर, टीन शेड डालकर अवैध रूप से अतिक्रमण कर लिया गया है। सिंचाई विभाग प्रतापगढ़ इससे बेखबर है जबकि सिंचाई विभाग रजबहा की देखरेख के लिये जिलेदार, मेठ इत्यादि पदों पर कर्मचारी की नियुक्ति करता है कि किसी के द्वारा रजबहा को क्षतिग्रस्त या अतिक्रमण तो नहीं किया जा रहा है। रजबहा की पटरी पर हुये अतिक्रमण से ज्ञात होता है कि जिलेदार और मेठ के द्वारा अपने कार्यो के प्रति घोर उदासीनता/लापरवाही बरती जा रही है या इनके मिलीभगत से रजबहा पर अतिक्रमण कर लिया गया है।मुख्यमंत्री द्वारा यह बार-बार आदेशित किया जा रहा है कि यदि किसी के द्वारा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया गया हो उसे तत्काल खाली करवाया जाये लेकिन सिंचाई विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी इससे परे हैं।

इलेक्ट्रीशियन एवं टेलरिंग ट्रेड का साक्षात्कार 28 जून को

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग दिनेश कुमार चौरसिया ने बताया कि अनुसूचित जाति/जनजाति के व्यक्तियों में औद्योगिक रोजगार सृजन के उद्देश्य से व्यवहारिक सामूहिक प्रशिक्षण योजना वर्ष हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम पुरूष अभ्यर्थियों हेतु इलेक्ट्रीशियन ट्रेड एवं महिला अभ्यर्थियों हेतु टेलरिंग ट्रेड का साक्षात्कार दिनांक 28 जून को पूर्वाह्न 11 बजे उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र प्रतापगढ़ कार्यालय में होगा। आवेदित समस्त अभ्यर्थी अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित हो।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यमी सीटें पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सक्ता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 30 जून 2022 है।
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

रिश्तो की यह कैसी डोर अपने ही बहा रहें अपनों का खून कलयुगी सगा बेटा ही निकला बाप का बेरहम क़ातिल

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। सुना है कलियुग है,इंटरनेट की वजह से पूरी दुनिया एक ग्लोबल विलेज बन गई है और सभी लोगों का आपसी सम्पर्क बहुत जल्दी और दूरी कम हो गई है। नेट ने सबको नजदीक तो कर दिया परन्तु खूनी रिश्ते सफेद हो गए है।अभी तक यही देखते आ रहे थे कि जमीन-जायदाद,पैसे के लिए अपने सगे-सम्बन्धी अब खूनी रिश्ते की खून कर दुश्मन बन जाते है और मौत के यमराज बन उसे दुनिया से अलविदा तक कर देने से चुकते नही! यही नही कलयुग के दौर में खूनी रिश्ते भी बहुत कलंकित हो रहे हैं तथा छोटी-छोटी बातों पर एक दूसरे की जान लेने पर उतारू हैं। ऐसे ही एक

हृदय विदारक घटना बलिया के सिकन्दरपुर थाना क्षेत्र के भाटी गांव के पुरवा अहिरपुरवा में सोमवार को लोगो को देखने-सुनने मिली जहा एक कलयुगी सगे बेटे ने ही अपने ही उधेड़ बाप को सम्पत्ति की लोभ मे गला रेत कर उसे मौत के घाट उतार दिया। बताया जाता है कि तड़के गला कटा एक अधेड़ का शव चारपाई पर मिलने से हड़कंप मच गया। थोड़ी ही देर में वहां लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।हत्या को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। घटना की मुख्य वजह लोग जमीन संबंधित विवाद बता रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार जिले के सिकन्दरपुर थाना क्षेत्र की अहिरपुरवा निवासी लल्लन चौधरी (59) रविवार की शाम खाना खाने के बाद अपने भाई रामप्रवेश यादव के दरवाजे पर रोज की भांति सोने चले गए। रात में किसी समय इनकी गला काट कर हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह जब राम प्रवेश का परिवार सो कर उठा तो चारपाई पर लल्लन का सिर कटा शव पड़ा हुआ था। यह देख लोगों के होश उड़ गए। थोड़ी ही देर में यह बात जंगल में आग की तरह फैल गई और देखते ही देखते भारी भीड़ जमा हो गई। वहां परिजन भी पहुंच गए। महिलाएं दहाड़े मार कर रोने लगी। किसी को कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर हत्या कैसे हुई लेकिन अंदर ही अंदर लोगबाग एक दूसरे से हत्या की वजह जमीन को मान रहे हैं। इस हृदय विदारक घटना मे लोगों की माने तो मृतक लल्लन चौधरी के पिता बासुदेव चौधरी ने लल्लन चौधरी के छोटे पुत्र संजय चौधरी की पतने के नाम से 15 कट्ठा जमीन बैनामा कर दिया था। इसको लेकर लल्लन चौधरी के बड़े पुत्र अजय चौधरी व उसकी पतने नाराज चल रहे थे। आए दिन उस जमीन को लेकर दोनों परिवारों में झगड़ा होता रहता था। आखिरकार वही हुआ जो किसी को अंदेशा नहीं था और लल्लन चौधरी की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। आरोप उनके बड़े पुत्र व पुत्रवधू पर लग रहा हैं। घटना की जानकारी मिलते ही फॉरेंसिक व एसओजी टीम के साथ-साथ खुद पुलिस अधीक्षक राजकरण नय्यर मौके पर पहुंच गये। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी, क्षेत्राधिकारी भूषण वर्मा, प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार सिंह, एसएचओ खेजुरी अखिलेश कुमार, चौकी प्रभारी मुरादी मिश्रा के साथ भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। वहीं, पुलिस ने अजय समेत तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दिया। हालांकि अभी पीड़ित पक्ष की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है।

आखिरकार खुल गया नए कैथ लैब का बंद ताला, हृदय रोग विभाग के अध्यक्ष ने खोल रखा था मोर्चा

वाराणसी। बीएचयू अस्पताल के शताब्दी सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक में बने नए कैथ लैब पर पिछले तीन माह से बंद ताला आखिरकार सोमवार को खुल ही गया। इसके लिए हृदय रोग विभाग के विभागाध्यक्ष अस्पताल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। आईएमएस बीएचयू स्थित सर सुंदरलाल अस्पताल के हृदय रोग विभाग में आने वाले मरीजों की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी सहित हृदय रोग की सर्जरी से जुड़ी सभी सुविधाएं फिर से मिलने लगेंगी। ऐसा इसलिए कि बीएचयू अस्पताल प्रशासन की ओर से शताब्दी सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक में बने नए कैथ लैब पर पिछले तीन माह से बंद ताले को सोमवार को खोल दिया गया। एक ओर जहां सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक के कैथ लैब में ताला बंद था वहीं सर सुंदरलाल अस्पताल के कैथ लैब में 15 दिन से मशीन खराब होने से एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी बंद थी। इस वजह से मरीजों को बिना इलाज वापस होना पड़ रहा था। विभागाध्यक्ष ने दी थी मुकदमे की चेतावनी पिछले सप्ताह ही प्रेस कांफ्रेंस कर हृदय रोग विभाग के अध्यक्ष प्रो. ओमशंकर ने बीएचयू अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक

पर सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के कैथ लैब पर ताला बंद करने और मनमानी करने का आरोप लगाया था। उन्होंने इसे जल्द से जल्द खोले जाने की बात कही थी। उन्होंने मांग पूरी न होने पर मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी भी दी थी इस बीच सोमवार दोपहर नए कैथ लैब का ताला खुल गया। इसके साथ ही यहां अन्य तैयारियां भी शुरू हो गई है। अब मंगलवार से यहां सामान्य दिनों की तरह एंजोग्राफी, एंजियोप्लास्टी हो सकेगी। बीएचयू हृदय रोग विभाग में बने कैथ लैब में वाराणसी के साथ ही गाजीपुर, बलिया, जौनपुर सहित आसपास के जिलों से हर दिन 15-20 मरीजों की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी होती है। अस्पताल के तीसरे तल पर बने कैथ लैब की मशीन पिछले 15 दिन से खराब पड़ी है। इस वजह से अब तक 300 से अधिक लोगों को वापस करना पड़ा। हालांकि हृदय रोग विभाग का एक कैथ लैब सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक के पांचवें तल पर बनकर तैयार था। इसका मार्च के तीसरे सप्ताह में उदघाटन भी हुआ लेकिन इसके बाद 24 मार्च से हीं यहां ताला बंद था। जो सोमवार को खुल गया प्रो. ओमशंकर ने कहा कि आखिरकार बीएचयू अस्पताल के एमएस को कैथ लैब कांपलेक्स का ताला खोलना ही पड़ा। यह मरीजों के जीवन जीने के मौलिक अधिकार की लड़ाई की जीत है। जब तक अस्पताल के कैथ लैब में नई मशीन नहीं आ जाती तब तक सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक के कैथ लैब में मरीजों की एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी होगी।

वाराणसी में कभी धूप तो कभी बादल के बीच बदल रहा मौसम, इस सप्ताह अच्छी बारिश होने के आसार

वाराणसी। तीन दिन से चल रही नम पुरवा हवाओं की वजह से मौसम में तेजी से बदलाव हुआ है। वाराणसी में आज सुबह का तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस रहा। वाराणसी जिले में बीते दो-तीन दिन से कभी धूप तो कभी बादल के

बीच मौसम बदल रहा है। तापमान में भी उतार-चढ़ाव बना है। लेकिन उमस के कारण थोड़ी परेशानी बढ़ी है। वाराणसी में आज सुबह का तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस रहा। इससे पहले रविवार को अधिकतम तापमान 37.6 जबकि शनिवार को 36.8 डिग्री सेल्सियस रहा था। तीन दिन से चल रही नम पुरवा हवाओं की वजह से मौसम में तेजी से बदलाव हुआ है। कभी दिन में तेज धूप हो रहा है तो कभी बादल छा रहा है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार इस सप्ताह अच्छी बारिश होने के आसार है, जिससे तापमान में कमी आने के साथ ही लोगों को गर्मी से भी राहत मिलेगी। रविवार को सुबह मौसम साफ रहने के साथ ही दोपहर में नम हवाओं की रफ्तार थोड़ी कम रही। ऐसा लगा कि गर्मी एक बार फिर बढ़ेगी लेकिन शाम चार बजे के बाद से ही आसमान में बादल छाने लगे और हवा भी चली तो थोड़ी राहत मिली। मौसम वैज्ञानिक एसएन पांडेय ने बताया कि इस सप्ताह तेज हवा के साथ ही रुक रुक कर अच्छी बारिश के आसार हैं।

आधार कार्ड न बनने से क्षुब्ध ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, बोले- बच्चों को कैसे मिलेगा योजनाओं का लाभ

वाराणसी। वाराणसी के पिंडरा ब्लॉक के एकमात्र आधार केंद्र के रूप में स्थापित पिंडरा डाकघर में रोजाना सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। बीते शुक्रवार से यहां आधार कार्ड बनना बंद हो गया है। सोमवार को ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। वाराणसी के पिंडरा स्थित डाकघर पर आधार कार्ड नहीं बनने से आक्रोशित ग्रामीणों ने सोमवार सुबह प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी भी की। पोस्टमास्टर के आश्वासन पर करीब दो घंटे बाद लोग शांत हुए। ग्रामीणों ने कहा कि एक तरफ सरकार बिना आधार कार्ड के कुछ मान नहीं रही है वहीं दूसरी तरफ कहीं भी आधार कार्ड बन नहीं रहा है। वाराणसी जिले के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों का आधार कार्ड अनिवार्य है। अगर बच्चों का आधार कार्ड नहीं बनेगा तो वो योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाएंगे। इस समय बेसिक शिक्षा

विभाग के अलावा अन्य स्कूलों में प्रवेश और डीबीटी के लिए स्कूलों द्वारा आधार कार्ड मांगा जा रहा है। जिसके लिए पिंडरा ब्लॉक के एकमात्र आधार केंद्र के रूप में स्थापित पिंडरा डाकघर में रोजाना सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। बीते शुक्रवार को एक कर्मचारी के स्थानांतरण होने के कारण आधार कार्ड बनना बंद हो गया। शनिवार और रविवार को अवकाश था। इस कारण सोमवार अलसुबह करीब पांच बजे से ही दर्जनों की संख्या ग्रामीण डाकघर पहुंच गए और आधार बनवाने के लिए कतारबद्ध हो गए। सुबह नौ बजे उन्हें पता चला कि आज भी आधार कार्ड नहीं बनेगा तो आक्रोशित हो उठे। डाक विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। सुबह नौ बजे से 11 बजे तक चले प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों के साथ उनके बच्चे भी साथ रहे। पोस्टमास्टर अजय कुमार यादव ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि इस संबंध में उच्चाधिकारियों से बात कर आधार कार्ड बनाने की पहल करेंगे। तब जाकर ग्रामीण शांत हुए और वापस लौट गए।

काशीवासियों को सौगात देने पांच जुलाई को आ सकते हैं पीएम मोदी सीएम योगी ने दिए संकेत

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांच व छह जुलाई को दो दिवसीय दौरे के लिए तैयारियों का निर्देश दिया है। काशीवासियों को विकास परियोजनाओं की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच जुलाई को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी आ सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी प्रवास के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों

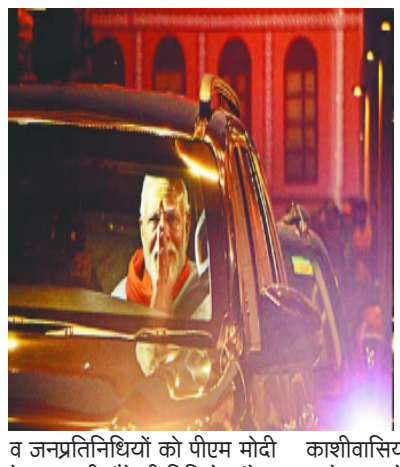

व जनप्रतिनिधियों को पीएम मोदी के वाराणसी दौरे की तिथि के संकेत दिए हैं। फिलहाल प्रधानमंत्री कार्यालय को प्रस्तावित तिथि भेज दी गई है और वहां से सहमति का इंतजार है। उधर, पीएम आगमन की तिथि तय होने की सूचना के साथ ही प्रशासन लोकार्पण और शिलान्यास वाली परियोजनाओं की सूची तैयार करने में जुट गया है। इसके साथ ही पीएम मोदी छह जुलाई को रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर में शिक्षा मंत्रालय की ओर से नई शिक्षा नीति पर देशभर के कुलपतियों के मंथन कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। पीएम मोदी के आगमन से पहले सीएम योगी ने लिया तैयारियों का जायजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांच व छह जुलाई को दो दिवसीय दौरे के लिए तैयारियों का निर्देश दिया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी के दो दिवसीय वाराणसी दौरे को प्रस्ताव शासन की ओर से प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजा गया है। वहां से सहमति मिलने के बाद वाराणसी के लिए मिनट टू मिनट कार्यक्रम पर मंथन शुरू किया जाएगा। प्रदेश में योगी सरकार-2 के गठन के बाद पहली बार पीएम मोदी वाराणसी आएंगे। ऐसे में पीएम का काशी में भव्य स्वागत करने की भी तैयारी की योजना बनाई जा रही है। यहां बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा चुनाव से पहले दिसंबर 2021 में काशीवासियों को करीब दो हजार करोड़ रुपये की सौगात दी थी। छह महीने के अंतराल में करीब दो हजार करोड़ की दो दर्जन से ज्यादा परियोजनाएं पूरी हो गई है और उनका लोकार्पण पीएम के हाथों कराया जाएगा। इसके साथ ही एक हजार करोड़ रुपये की लागत की परियोजनाओं का शिलान्यास भी कराने की तैयारी है। चार दिन में परियोजनाएं पूरी कर देनी है रिपोर्ट जून में पूरी होने वाली परियोजनाओं के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 30 जून तक का समय नियत किया है।

जिस गढ़ पर था सपा को नाज, निरहुआ ने उसे किया ध्वस्त, 8679 वोटों से हारे अखिलेश यादव के भाई धर्मेंद्र

वाराणसी। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के इस्तीफे के बाद आजमगढ़ लोकसभा सीट पर उपचुनाव कराया गया। लेकिन, परिणाम ने सपा को सोचने के लिए विवश कर दिया। सपा को जिस आजमगढ़ पर अपना अभेद्य किला होने का दंभ था। उसे भाजपा ने पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है। लोकसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी दिनेशलाल यादव निरहुआ ने सपा

प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव को 8679 मतों से हराया। इस जीत के साथ ही भाजपा खेमा भी काफी खुश नजर आया। सिंहासिनी वाटिका में जुटे भाजपा नेताओं ने ढोल-ताशे बजाकर इस जीत का जश्न मनाया। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के इस्तीफे के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया गया। लेकिन, परिणाम ने सपा को सोचने के लिए विवश कर दिया। क्योंकि, लगभग दो माह पूर्व हुए विधानसभा चुनाव में सपा जनपद की सभी 10 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब हुई थी।उसे विश्वास था कि वह अपने एमवाई फैक्टर के दम पर उपचुनाव जीत जाएगी। लेकिन, मतदाताओं ने भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव पर भरोसा जताया। उपचुनाव में सपा, बसपा और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर हुई। 35 राउंड तक चली मतगणना में 8679 मतों से भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ जीते। उन्हें कुल तीन लाख 12 हजार 768 मत प्राप्त हुए। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी सपा के धर्मेंद्र यादव को तीन लाख चार हजार 89 मत मिले।तीसरे स्थान पर रहे बसपा के शाह आलम गुड्डू जमाली को दो लाख 66 हजार 210 मत प्राप्त हुए। इसके अलावा अमरावती को 1743 मत, जयनाथ चौहान को 1952 मत, धीरज श्रीवास्तव को 2935 मत, रविंद्र नाथ शर्मा को 2597 मत, सरवर अली को 1519 मत, अंबरीष कुमार विजयता को 1515 मत, पंकज कुमार यादव को 1249 मत, रमाकांत यादव को 2535 मत, राजीव तलवार को 2549 मत और धीरेंद्र कुमार निषाद को 2377 मत प्राप्त हुए। इसके अलावा नोटा को 5369 मत प्राप्त हुए। सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव ने हार के लिए प्रशासन, बसपा और भाजपा के गठजोड़ को जिम्मेदार ठहराया। बसपा प्रत्याशी शाह आलम गुड्डू जमाली ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि 2024 में वह फिर मैदान में आएंगे। भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ ने कहा कि यह आजमगढ़ की जनता की जीत है। इस बार सत्ता पक्ष के साथ नजर आई जनता लोकसभा सीट आजमगढ़ पर इस बार तीसरा उपचुनाव हुआ है। पूर्व के दो उपचुनावों का मिथक भी इस बार टूटा और इस बार यहां की जनता विपक्ष के बजाए सत्तापक्ष के साथ नजर आई। जबकि पूर्व के उपचुनाव में जनता ने केंद्रीय सत्ता से इतर जनादेश दिया था। जनपद में पहला उपचुनाव 1978 में हुआ था। 1977 के आम चुनाव में आजमगढ़ सीट से जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में रामनरेश यादव ने कांग्रेस के चंद्रजीत यादव को पराजित कर इस सीट पर जीत दर्ज की थी। प्रदेश में भी जनता पार्टी की सरकार बनी थी। रामनरेश यादव के इस्तीफे के बाद 1978 में उपचुनाव हुआ। इसमें कांग्रेस पार्टी ने मोहसिना किदवई को मैदान में उतारा। केंद्र की सत्ता पर काबिज जनता पार्टी ने रामबचन यादव पर दांव खेला। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी स्वयं मोहसिना किदवाई की जीत के लिए मैदान में उतर पड़ी। इसका परिणाम रहा कि पहले उपचुनाव में मोहसिना किदवाई ने जीत दर्ज की। उन्होंने सत्ता में रहे जनता पार्टी के प्रत्याशी रामबचन यादव को 35,385 मतों के अंतर से हराया था। दूसरा उपचुनाव 2008 में हुआ। इस दौरान केंद्रीय सत्ता में कांग्रेस थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे। यह चुनाव 2004 के आम चुनाव में सपा के टिकट पर जीते रमाकांत यादव की सदस्यता समाप्त हो जाने के कारण हुआ था। सपा से नजदीकी के चलते बसपा ने दल बदल कानून के तहत उनकी सदस्यता समाप्त करवा दी थी। 2008 के उपचुनाव में सपा ने बलराम यादव को मैदान में उतारा। बसपा ने अकबर अहमद डंपी पर दांव खेला। प्रदेश की सत्ता में रही कांग्रेस ने एहसान खान पर दांव लगाया। इधर, सपा से टिकट न मिलने पर रमाकांत यादव ने भाजपा का दामन थाम लिया और कमल निशान पर चुनाव लड़ाइस चुनाव में भी केंद्र की सत्ता के इतर जनादेश आया और बसपा के अकबर अहमद डंपी चुनाव जीत गए। कांग्रेस के एहसान खान की जमानत भी नहीं बची। बसपा के डंपी ने 52368 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। भाजपा दूसरे तो सपा के बलराम यादव तीसरे स्थान पर रहे। 2019 के आम चुनाव में रिकार्ड वोट से सांसद बने सपा मुखिया अखिलेश यादव के इस्तीफे के चलते इस बार उपचुनाव हुआ। वर्तमान में केंद्र में भाजपा की सरकार है और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। सपा मुखिया ने अपनी छोड़ी सीट पर चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव को मैदान में उतारा। भाजपा ने 2019 में प्रत्याशी रहे दिनेश लाल यादव निरहुआ पर ही दांव खेला तो वहीं बसपा ने पूर्व विधायक शाह आलम जमाली को मैदान में उतार दिया। इस चुनाव में पूर्व के दो चुनाव के मिथक टूट गए और आजमगढ़ की जनता ने विपक्ष के बजाए सत्तापक्ष के साथ जाने की राह चुनी। इसका परिणाम रहा कि केंद्र में सत्ताधारी भाजपा के प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ ने जीत दर्ज की।

ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक सिपाही को तेजरफ्तार मैजिक ने मारी टक्कर, हालत गंभीर.....

वाराणसी। वाराणसी के संकुल भवन के पास ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक सिपाही को तेज रफ्तार मैजिक वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैफिक सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया। वाराणसी के संकुल भवन के पास तेज रफ्तार मैजिक वाहन ने ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक सिपाही को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। घटना में ट्रैफिक सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। घायल सिपाही की तहरीर पर वाहन और अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लालपुर थाने की पुलिस मामले की जांच में

जुट गई है। ट्रैफिक पुलिस लाइन में आरक्षी के पद पर कार्यरत कर्मवीर सोमवार को संकुल भवन ताड़ी खाना तिराहा के पास ड्यूटी कर रहे थे। इस दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार मैजिक (यूपी 65 डीटी 2172) ने पीछे से कर्मवीर को टक्कर मार दी और फरार हो गया। सड़क पर उछलकर गिरने के कारण कर्मवीर लहूलुहान हो गए। मौके पर साथ में ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल जगदीश चौहान, सिपाही बृजेश चौहान और रामेश्वर तिवारी ने आननफानन घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां स्थिति गंभीर होने पर बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया।

सोन पंप कैनाल में सोमवार दोपहर पांच युवक नहाने गए थे.....

गोरखपुर। गोरखनाथ इलाके की घटना, तीन साल पहले हुई थी शादी। बेटी पैदा होने के बाद दहेज की मांग व प्रताड़ित करने का आरोप। गोरखनाथ पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति, उसकी मां, भाइयों, बहन समेत दस के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। गोरखनाथ इलाके में रहने वाली महिला को उसके पति ने मोबाइल फोन पर ही तीन तलाक दे दिया। आरोप है कि बेटी पैदा होने के बाद उसे पति और ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। इसी बीच पति ने फोन पर तीन तलाक दे दिया। गोरखनाथ पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति, उसकी मां, भाइयों, बहन समेत दस के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, हरपुर-बुदहट के मियां पकड़ी गांव की निवासी शाहिना खातून की शादी, दो दिसंबर 2018 को गोरखनाथ के जटेपुर उत्तरी निवासी मोहम्मद असलम से हुई थी। आरोप है कि शादी के तीन महीने बाद ही पति और ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। सभी मिलकर शाहिना के पिता से एक लाख रुपये मांगकर लाने का दबाव बनाते थे। पिता की आर्थिक स्थिति ठीक न होने की वजह से उनकी मांग पूरी नहीं हो सकी। एक साल बाद बेटी पैदा होने पर ससुराल वालों की प्रताड़ना बढ़ गई। पिता व रिश्तेदारों के समझाने पर वह यह सोचकर चुप रही कि सबकुछ ठीक हो जाएगा, लेकिन इसी बीच 21 अप्रैल को ससुराल के लोगों ने कमरे में बंद कर बेरहमी से पीटने के साथ ही केरोसीन डालकर जलाने का प्रयास किया। शोर सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने जान बचाई।

सामनेघाट पुल से कूदकर युवक ने दी जान, शिनाख्त के प्रयास में जुटी पुलिस

वाराणसी। वाराणसी से रामनगर को जोड़ने वाले सामनेघाट पुल से सोमवार सुबह करीब 11 बजे एव युवक ने गंगा में कूदकर खुदकुशी कर ली। वाराणसी से रामनगर को जोड़ने वाले सामनेघाट पुल से सोमवार सुबह करीब 11 बजे एक युवक ने अचानक से गंगा में कूद गया। घाट पर मौजूद मल्लाहों ने नजारा देखा तो आननफानन आनन नाव लेकर मौके पर पहुंचे और किसी तरह से युवक को गंगा से बाहर निकाला। हालांकि उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। मल्लाहों के मुताबिक, जिस जगह युवक कूदा वहां गंगा में गहराई कम थी। ऊंचाई से कूदने के कारण उसे अंदरूनी चोट लगी और शायद इसी कारण उसकी मौत हो गई। खुदकुशी करने वाला युवक

कौन है, किस कारण उसने खुदकुशी की ये अभी साफ नहीं है। कस्बा इंचार्ज दयाशंकर यादव ने बताया कि युवक की तलाशी ली गई तो ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। उसकी उम्र 30 से 32 साल के बीच की है। जींस-टीशर्ट और स्पोर्टस शू पहना है। युवक की शिनाख्त की कोशिश जारी है। आए दिन सामनेघाट पुल पर होती हैं इस तरह की घटनाएं सामनेघाट से रामनगर तक बने पुल पर अक्सर आत्महत्या की घटनाएं पुलिस के लिए सिरदर्द बन चुकी हैं। पुलिस और एनडीआरएफ के लोग घंटों तलाश करते रहते हैं। घटनाओं को रोकने के लिए अक्सर पुलिस दस्ता चक्रमण भी करती हैं लेकिन घटनाएं रूक नहीं रही हैं।

अखंड ज्योति के जत्थे का ढोल नगाड़े से श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र)। स्थानीय वैष्णो शक्तिपीठ धाम में शनिवार की रात्रि विश्राम के लिए रुके मां बनभौरी देवी का अखंड ज्योति के जत्थे का ढोल नगाड़े से मंदिर समिति व स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। स्वागत के पश्चात उपस्थित सैकड़ों लोगों ने अखंड ज्योति का दर्शन करके मन की मुरादें पूरा करने की गुहार लगाई।अखंड ज्योति को हरियाणा राज्य के हिसार जिले में स्थित मां बनभौरी धाम से अम्बिकापुर में नव निर्मित माँ बनभौरी मंदिर ले जाया जा रहा है। अखंड ज्योति लेने के लिए सैकडों लोगों का जत्था अम्बिकापुर से 21 जून को हरियाणा के बनभौरी धाम के लिए रवाना हुआ है। 24 जून को विधि विधान से पूजन अर्चन के बाद मां बनभौरी देवी का ज्योति का काफिला अम्बिकापुर के लिए रवाना हुआ। मां बनभौरी देवी का ज्योति वैष्णो मंदिर पर पहुचते ही दर्शन के लिए वैष्णो मंदिर पर सैकड़ों लोग एकत्र हो गए और ढोल नगाड़े व आतिशबाजी के साथ मां बनभौरी देवी की ज्योति का स्वागत किया। स्वागत के पश्चात बच्चे, बुढे , महिलाओं ने मत्था टेक कर आर्शीवाद लिया। इसके पश्चात काफिले में चल रहे सभी लोगों अभिवादन करके विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। रविवार की सुबह मां की ज्योति का पूजन अर्चन के बाद माता बनभौरी देवी की ज्योति का काफिला अम्बिकापुर के लिए रवाना किया गया। काफिले के बाद मंदिर परिसर व आसपास के लोगों मे मां बनभौरी देवी की ज्योति का प्रसाद वितरण किया। सुरक्षा व्यवस्था के लिए डाला चौकी प्रभारी मनोज कुमार ठाकुर मय फोर्स मौजूद रहे ।इस दौरान मंदिर समिति के अध्यक्ष बृषभान अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष सुभाष मित्तल, डाला व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन, अंकुश मित्तल, राकेश गोयल, विकाश वंशल, महावीर गोयल, कलवंत अग्रवाल, कृष्ण कुमार गर्ग, राजेन्द्र जैन, नरेश अग्रवाल, नवनीत अग्रवाल, विरेन्द्र गर्ग समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

थाना चोपन पुलिस द्वारा तस्करी हेतु ले जाये जा रहे 24 राशि भैंस किया गया बरामद मौके से 04 नफर अभियुक्तगण गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र)। जनपद में गोवंश तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने व इसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 26.06.2022 को थाना चोपन पुलिस द्वारा डाला चढाई पार्किंग गेट के पास से तस्करी हेतु ले जा रहे एक ट्रक 55 4615 से कुल 24 राशि भैंस को बरामद कर मुक्त कराया गया तथा मौके से 04 नफर अभियुक्तगण 01. श्याम पाल सिंह पुत्र बलदेव सिंह, निवासी नरइया, थाना मुहम्दाबाद, जनपद फरुखाबाद 02. मोनू सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह, निवासी वौधरियापुर, थाना कननैज, जनपद कननैज 03. मुहम्मद इमरान पुत्र युसुफ, निवासी ग्राम बड़होर, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र 04. मुस्लिम पुत्र इछू अहमद, निवासी ग्राम बड़होर, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर उक्त के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-153/2022 धारा 11 पशु क्रूरता अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है । **गिरफ्तारी अभियुक्तगण-**01. श्याम पाल सिंह पुत्र बलदेव सिंह, निवासी नरइया, थाना मुहम्दाबाद, जनपद फरुखाबाद 02. मोनू सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह, निवासी वौधरियापुर, थाना कननैज, जनपद कननैज 03. मुहम्मद इमरान पुत्र युसुफ, निवासी ग्राम बड़होर, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र ।04. मुस्लिम पुत्र इछू अहमद, निवासी ग्राम बड़होर,थाना बभनी, जनपद सोनभद्र **बरामदगी का विवरण**24 राशि भैंस । **बरामद करने वाली पुलिस टीम**01. उ0नि0 मनोज कुमार ठाकुर, चौकी प्रभारी डाला, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र 02. हे0का0 आलोक कुमार पाण्डेय, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र ।03. हे0का0 महेन्द्र यादव, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र ।

एडीएम ने नगर में चल रहे सीसी रोड का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र)। डाला नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत नवनिर्मित सीसी रोड का निर्माण कार्य जिला शहरी विकास प्राधिकरण (डूडा) के अंतर्गत किया जा रहा है। नगर में पहुंचे अपर जिला अधिकारी सहदेव मिश्रा ने नगर में बन रहे सीसी रोड का निरीक्षण किया जहां नई बस्ती में बने सीसी रोड की गुणवत्ता के विपरीत कार्य किए जाने पर नाराजगी भी जताई वही राज्य मार्ग से संकरी गली को होते हुए ओबरा संपर्क मार्ग पर बन रहे सीसी सड़क की लंबाई चौड़ाई गुणवत्ता के कार्यों को देख संबंधित अधिकारी को आदेशित कर कार्य कराने की बात कही वही स्थानीय लोगो ने अपनी समस्याओं को भी बताया निरीक्षण के दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन, हनुमान सिंह,धीरेंद्र प्रताप सिंह, राजेश पटेल मौजूद रहे।

चौकी डाला पुलिस ने बालू लदा एक ट्रैक्टर को लिया कब्जे में, मौके से खननकर्ता व चालक फरार.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र)। डाला बीते रात्रि करीब 01:30 बजे चौकी डाला पुलिस द्वारा वैष्णो मंदिर के पीछे सोन नदी से अवैध खनन में 01 अदद ट्रैक्टर संख्या यूपी 64 व् 5652 बालू लदा हुआ कब्जे में लिया गया तथा खनन कर्ता संतोष यादव पुत्र पुरुषोत्तम यादव निवासी सेक्टर नम्बर- 08, गैस गोदाम रोड ओबरा, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र एवं चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गये । फरार अभियुक्तगण की तलाश की जा रही है तथा अवैध खनन में कब्जे में लिये गये ट्रैक्टर को वन विभाग की सुपुर्दगी में आवश्यक कार्रवाई हेतु दिया गया । **फरार अभियुक्तगण ये रहे -** 1. संतोष यादव पुत्र पुरुषोत्तम यादव निवासी सेक्टर नम्बर- 08, गैस गोदाम रोड ओबरा, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र । 2. ट्रैक्टर चालक नामपता अज्ञात । **बरामदगी करने वाली टीम में रहे शामिल** 1. उप निरीक्षक श्री मनोज कुमार ठाकुर, चौकी प्रभारी डाला मय टीम, थाना चोपन जनपद सोनभद्र ।

अनियंत्रित होकर कार पलटी दो घायल.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र)। चोपन थाना क्षेत्र के जवारीडाड़ से लगभग एक किलोमीटर पहले एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई जिसमें दो लोग घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार वाराणसी से रेनुकूट जा रही कार जवारीडाड़ से लगभग एक किलोमीटर पहले अनियंत्रित होकर पलट गई जिससे कार बैठे विजया नन्द चौबे पुत्र केदारनाथ व अनिल कुमार दुबे घायल हो गए राहगीरों के द्वारा डॉयल 108 न0 को सूचना दी गई सूचना पर डॉयल 108 न0 एम्बुलेंस मौके पर पहुच कर घायलों को सीएचसी चोपन ले गया जहाँ डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार करते हुए दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

चोपन में शौचालय का मुद्दा महिलाओं के सम्मान का सावित्री देवी ने जिला प्रशासन से निदान का किया आग्रह

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

चोपन (सोनभद्र)। प्रधानमंत्री जी के द्वारा स्वच्छ भारत अभियान को लेकर प्रथमिकता के आधार पर शहर व गांव में शौचालय बनवाया गया की कोई भी व्यक्ति व महिलाये खुले में शौच ना करें क्योंकि खुले में शौच व बाथरूम करने से तमाम तरह की काफी बीमारी फैलती है। लेकिन जनपद सोनभद्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग स्थित आदर्श नगर पंचायत चोपन क्षेत्र में बस स्टैंड के पास स्टेट हाईवे पर कुछ वर्ष पूर्व लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण किया जा रहा था जिसमे बीच में आ रहे शौचालय व यात्री शेड को ध्वस्त कर दिया गया था और यह कहा गया था की सड़क निर्माण के बाद शौचालय व यात्री शेड का निर्माण विभाग द्वारा करा दिया जायेगा निर्माण ना होने की प्रतिदिन हजारों वाहनों से आने जाने वाले यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।इस समस्या को लेकर लगातार विगत 6 वर्षों से शौचालय व यात्री शेड निर्माण को लेकर आवाज उठाया जा रहा है 4 बार सामाजिक संगठनों द्वारा धरना प्रदर्शन भी किया गया लेकिन सिर्फ अधिकरियों द्वारा निर्माण कराने का आश्वाशन मिला लेकिन जमीनी हकीकत कुछ नहीं हो सका। सिर्फ खानापूर्ति कर अधिकारी आख्या को निस्तारित कर दिया जाता है लेकिन किसी भी अधिकारियों ने समस्या को प्राथमिकता के आधार पर लेकर निदान का नही सोचा जिसकी वजह से समस्या 6 वर्षों से आज तक जस की तस बरकरार है।सोमवार को महिला सुरक्षा एवं जनसेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष सावित्री देवी ने जिलाधिकारी महोदय के नामित पत्र कार्यालय में जनता की समस्या सुन रहे अपर जिलाधिकारी सहदेव मिश्रा जी को प्रार्थना पत्र चोपन की सम्मानित जनता/आने जाने वाले यात्रियों के तरफ से आग्रह व निवेदन के साथ बस स्टैंड पर जल्द शौचालय/यूरिनल निर्माण को लेकर दिया गया और उनसे आग्रह किया गया की यह प्रकरण जनहित से जुड़ा इससे पुरुष से ज्यादा दिक्कत महिलाओं को होती जो बहुत शर्म की बात है।इस समस्या से सरकार व स्वच्छ भारत अभियान की छवि खराब हो रही है।अपर जिलाधिकारी सहदेव मिश्रा ने उक्त प्रार्थना पत्र को संज्ञान में लेते हुये कहा जनसरोकार से जुड़े इस प्रकरण को जिला प्रशासन उचित कार्यवाई करते हुये निदान कराने का पूर्ण प्रयास करेगी।

ट्रक की चपेट मे आने से युवक की हुई मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

सोनभद्र (अनपरा)। अनपरा थाना क्षेत्र के रेनुसागर चौकी अन्तर्गत रविवार की रात करीब ग्यारह बजे ट्रक की चपेट में आने से पैदल जा रहे 32 वर्षीय अज्ञात युवक की हुई दर्दनाक मौत। औड़ी-शक्तिनगर मुख्य मार्ग के अनपरा मोड़ समीप शक्तिनगर की ओर जा रही ट्रक 15 6200 की चपेट मे आने से पैदल जा रहे अज्ञात युवक की दर्दनाक मौत हो गई ! वही घटना के दौरान ट्रक चालक मौके से फरार हो गया आस पास के मौजूद लोगों द्वारा पुलिस को घटना की जानकारी मिलते ही थाने और चौकी की मय पुलिस बल मौके से घटना स्थल पर पहुंच युवक को आनन फानन में स्थानीय संयुक्त चिकित्सालय डिबुलगंज ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच उपरांत युवक को मृतक घोषित कर दिया।ख़बर लिखें जानें तक मृतक युवक की पहचान नही हो पाई पुलिस द्वारा ट्रक और शव को कब्जे में लेते हुए दुर्घटना मामले में आगे की जांच पड़ताल व कार्यवाई करने को लेकर जुटी रही ।

दुष्कर्म के दोषियों को उम्रकैद प्रत्येक पर एक लाख 21 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर एक-एक वर्ष की अतिरिक्त कैद

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। साढ़े 9 वर्ष पूर्व लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पॉक्सो सोनभद्र की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषियों सीताराम व सरताज को उम्रकैद एवं प्रत्येक को एक लाख 21 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक-एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। तीन आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार दिया। वहीं अर्थदंड की समूची धनराशि दो लाख 42 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक अनपरा थाना क्षेत्र के निवासी एक व्यक्ति ने थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि वह 18 नवंबर 2012 को दोपहर 3 बजे अपनी साली के साथ अनपरा बाजार सामान खरीदने गया था। तभी वहां पर अनपरा थाना क्षेत्र के दुगोड़वा लोझरा निवासी सीताराम पुत्र रामसजीवन आ गया और साली के साथ जोर जबरजस्ती करने लगा। जब वह छुड़ाने लगा तो सीताराम अपने चार साथियों के साथ उसे मारने लगा। तथा साली को जबरजस्ती उठाकर बोलेरो में डाल दिया।यह धमकी दिया कि अगर पुलिस को सूचना दिया तो जान से मार देंगे तथा घर को आग लगाकर जला देंगे। सूचना दे रहा हूं, आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर 19 नवंबर 2012 को पुलिस ने अपहरण एवं दुष्कर्म में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर सीताराम व डीबुलगंज निवासी सरताज समेत 5 लोगों के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषियों सीताराम व सरताज को उम्रकैद एवं प्रत्येक पर एक लाख 21 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर एक-एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। तीन आरोपियों संतोष कुमार शुक्ल, अशोक यादव व अनिल श्रीवास्तव को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार दिया। वही अर्थदंड की समूची धनराशि दो लाख 42 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश अग्रहरि, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह एडवोकेट ने बहस की।

राजस्थान भवन में आयोजित समर कैंप का हुआ समापन

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। मारवाड़ी महिला सोन शाखा द्वारा जिला मुख्यालय राबर्ट्सगंज स्थित राजस्थान भवन में 20 जून से आयोजित समर कैंप का समापन सोमवार को हुआ। इस समर कैंप में बच्चों ने कई प्रकार की गतिविधियां की। जिसमें कि पाम पेंटिंग, बेस्ट आउट आफ वेस्ट, डांस, दिया डेकोरेशन, पुल पार्टी, पिकनिक, स्वादिष्ट व्यंजन आदि रहे। इस अवसर पर बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। समापन कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मारवाड़ी मंच के संरक्षक विजय कानोडिया, विमल अग्रवाल, विनोद झुनझुनवाला उपस्थित रहे। वही अतिथियों ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृति बहुत ही अद्भुत है और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर मंच की अध्यक्ष अंकिता केजरीवाल ने बताया की कार्यक्रम में पूजा अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। उन्होंने बताया कि इस कैंप में बच्चों ने बहुत उतसाह के साथ एक - एक कलाकृति सिखी और उसका अनुसरण किया। वही कार्यक्रम के अंत में फादर्स डे सेलिब्रेशन किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों के पिता द्वारा केक काटकर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला सोन शाखा की मंत्री सुनिता सांवरिया, कोषाध्यक्ष अनीता थर्ड, चित्रा जालान, निक्की कानोडिया, रंजना अग्रवाल, पुनम केडिया, सोनी गुप्ता, अरुमिता जालान, रितु जालान सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

ओबरा पुलिस को आपरेशन मुस्कान के तहत मिली बड़ी सफलता.......

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। थाना ओबरा क्षेत्रान्तर्गत वार्ड नम्बर 07 गुरुद्वारा गली, चोपन रोड निवासिनी एक महिला द्वारा थाना स्थानीय पर सूचना दी गयी कि उनका 12 वर्षीय पुत्र घर से बिना बताये कहीं चला गया है तथा काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चल सका है । उक्त सूचना पर थाना ओबरा पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 116/2022 धारा 363 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर गुमशुदा को ढूढ़ने का प्रयास किया जा रहा था । इसी प्रयास के क्रम में थाना ओबरा पुलिस द्वारा अथक प्रयास कर सूचना प्राप्त होने के 03 घण्टे के अन्दर गुमशुदा बालक को कस्बा ओबरा से बरामद कर सकुशल परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया । गुमशुदा बच्चे को सकुशल वापस पाकर बच्चे के परिजनों एवं आमजनमानस द्वारा पुलिस टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी । उक्त बच्चे की बरामदगी कर उसके परिजनों को सकुशल सुपुर्द करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक ओबरा मिथिलेश मिश्रा, उ0नि0 वंश नारायण राय, हे0का सुभाष यादव, का0 विकास सिंह, का0 विपिन मौर्या, का0 संदीप मौर्या आदि शामिल रहे ।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित चार शातिर अपराधियों कि हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र।जनपद में अपराध व अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक- 27.06.2022 को थाना विण्ढमगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 57/2022 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट से सम्बंधित वांछित 04 नफर अभियुक्तगण क्रमशः 1. गुलाब यादव पुत्र गंगा यादव निवासी ग्राम कुड़वा, थाना कोन, जनपद सोनभद्र 2. लोकनाथ यादव पुत्र स्व0 दुखी यादव निवासी ग्राम कुड़वा, थाना कोन, जनपद सोनभद्र 3. मुकेश कुमार यादव पुत्र स्व0 शोभा यादव निवासी ग्राम कचनरवा, थाना कोन, जनपद सोनभद्र 4. राज कुमार गौड़ पुत्र वंशराज उर्फ चैतू गौड़ निवासी ग्राम कचनरवा, थाना कोन, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर अभियुक्तगण को माननी न्यायालय भेजा गया । गिरफ्तार अभियुक्तगण उपरोक्त का अपराधिक इतिहास निमनलिखित है- **नाम-पता अभियुक्तगण** 1- गुलाब यादव पुत्र गंगा यादव निवासी ग्राम कुड़वा, थाना कोन, जनपद सोनभद्र । 2- लोकनाथ यादव पुत्र स्व0 दुखी यादव निवासी ग्राम कुड़वा, थाना कोन, जनपद सोनभद्र । 3- मुकेश कुमार यादव पुत्र स्व0 शोभा यादव निवासी ग्राम कचनरवा, थाना कोन, जनपद सोनभद्र । 4- राज कुमार गौड़ पुत्र वंशराज उर्फ चैतू गौड़ निवासी ग्राम कचनरवा, थाना कोन, जनपद सोनभद्र । **अपराधिक इतिहास अभियुक्त गुलाब यादव-** 1-मु0अ0सं0-45/2018 धारा 147, 353, 504, 506, भादवि व 5/26, 41/42 वन अधिनियम 1927, थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र । 2- मु0अ0सं0-25/2022 धारा 376(2)(1), 504, 506, भादवि व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट व पॉक्सो एक्ट थाना विण्ढमंगज, जनपद सोनभद्र । 3- मु0अ0सं0-17/2022 धारा 379, 411, 353, भादवि व 3/57/70 उप खनिज परिहार नियमावली 1963 व 4/21 खान खनिज विकास विनिमय अधि0 1957, थाना विण्ढमंगज, जनपद सोनभद्र । 4- मु0अ0सं0 57/2022 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट, थाना विण्ढमंगज, जनपद सोनभद्र ।

तीन स्वेटर पहनकर मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेने पहुंचे चहल, भारतीय फैंस की भीड़ देख हार्दिक खुश

नई दिल्ली । आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच जीतकर भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की है। हार्दिक पांड्या ने कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। उनके अलावा भुवनेश्वर कुमार और युजवेन्द्र चहल जैसे खिलाड़ी भी बेहतरीन लय में दिखे। दीपक हुड्डा ने बल्ले से कमाल किया। इस मैच में बारिश ने शुरुआत में खलल डाला, लेकिन बाद में बारिश रुकी और 12-12 ओवर का मैच हुआ। इस मैच के दौरान भारतीय समर्थक बड़ी संख्या में मैदान में मौजूद थे। कप्तान हार्दिक को यह बात बेहद पसंद आई। वहीं, युजवेन्द्र चहल ने अपनी गेंदों ने से आयरलैंड के बल्लेबाजों को खूब परेशान किया, लेकिन वो खुद ठंड से परेशान हो गए और तीन स्वेटर पहनकर मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेने पहुंचे। यहां हम इस मैच से जुड़े ऐसे ही रोमांचक पल तस्वीरों में दिखा रहे हैं। युजवेन्द्र चहल ने इस मैच में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने तीन ओवर में सिर्फ 11 रन देकर एक विकेट लिया। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। चहल तीन स्वेटर पहनकर यह अवॉर्ड लेने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बताया कि आयरलैंड की ठंड से वो काफी परेशान हैं और बेहतर नहीं महसूस कर रहे हैं। यह मैच आयरलैंड के डबलिन में था, लेकिन यहां भी स्टेडियम में भारतीय टीम के प्रशंसक बहुतायत में मौजूद थे। पहली टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या को भी यह पसंद आया और उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा नहीं लग रहा कि वो अपने देश से बाहर मैच खेल रहे हैं। उन्होंने फैंस का शुक्रिया भी अदा किया। आईपीएल 2022 में कमाल करने के बाद उमरान मलिक ने भारतीय टीम में भी जगह बना ली है। उन्होंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच आयरलैंड के खिलाफ खेला। भुवनेश्वर कुमार ने उमरान को भारत की टी20 टीम की टोपी दी। भुवी इस सीरीज में भारत के उपकप्तान भी हैं। भुवनेश्वर और उमरान मलिक हैदराबाद के लिए साथ खेल चुके हैं। भारतीय टीम ने इस मैच में बहुत ही आसान जीत दर्ज की। पहले गेंदबाजी करते हुए आयरलैंड के 108 रन पर रोका फिर 10 ओवर के अंदर लक्ष्य का पीछा कर लिया। इसके साथ ही भारत ने इस सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली है। हार्दिक पांड्या ने इस मैच में पहली बार टीम इंडिया की कप्तानी की और भारत के नौवें टी20 कप्तान बने। पिछले एक साल के अंदर तीन नए खिलाड़ी भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं। पहले श्रीलंका के खिलाफ शिखर धवन भारत के कप्तान बने थे। इसके बाद पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कप्तानी की और अब हार्दिक भी भारत की कप्तानी कर चुके हैं। हार्दिक पांड्या ने बतौर कप्तान अपने पहले ही मैच में जीत हासिल की। वो भारत के सातवें कप्तान बने जिन्होंने अपना पहला ही टी20 मैच जीता है। अब तक सिर्फ विराट कोहली और ऋषभ पंत ही ऐसे भारतीय कप्तान रहे है, जो अपने पहले मैच में हारे हैं। आयरलैंड के लिए हैरी टैक्टर ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 33 गेंद में नाबाद 64 रन बनाए, जिसमें छह चौके और तीन छक्के शामिल थे। उनकी शानदार पारी के चलते ही आयरलैंड की टीम 12 ओवर में 108 रन का स्कोर बना पाई। ईशान किशन ने इस मैच में भारत के लिए शानदार शुरुआत की और ताबड़तोड़ अंदाज में रन बनाए। उन्होंने 11 गेंद में 26 रन की तुफानी पारी खेली, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल पाए। वहीं, उनके जोड़ीदार दीपक हुड्डा ने संयम के साथ बल्लेबाजी की और मैच खत्म किया। दीपक हुड्डा की बल्लेबाजी इस मैच में भारतीय टीम के लिए सबसे अहम चीज रही। उन्होंने पारी की शुरुआत की और मैच खत्म करके ही वापस लौटे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी 150 से ऊपर रहा। उन्होंने दिनेश कार्तिक के साथ मिलकर टीम इंडिया को जीत दिलाई।

डेब्यू मैच में फ्लॉप रहे उमरान मलिक दीपक हुड्डा ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए दावेदारी मजबूत की......

नई दिल्ली । आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में भारत ने सात विकेट से जीत हासिल की। बारिश से बाधित इस मैच में दीपक हुड्डा और कप्तान हार्दिक ने बल्ले से कमाल किया। वहीं, गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार और युजवेन्द्र चहल सुपरहिट रहे। भारत और आयरलैंड के बीच दो टी20 मैच की सीरीज का पहला मुकाबला भारत के नाम रहा। टीम इंडिया ने यह मैच सात विकेट से जीता और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अब भारत यह सीरीज नहीं गंवा सकता। इस मैच में हार्दिक पांड्या ने पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी की और बतौर कप्तान अपने पहले मैच में हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन किया। उनके अलावा युजवेन्द्र चहल औ भुवनेश्वर कुमार ने भी टी20 विश्व कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की। बल्ले के साथ दीपक हुड्डा का प्रदर्शन भी शानदार रहा। बारिश से बाधित इस मैच में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन डेब्यू मैच में उमरान मलिक कुछ खास नहीं कर पाए। बारिश की वजह से यह मैच 12 ओवर का कर दिया गया था। और आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 108 रन बनाए। भारत ने तीन विकेट खोकर 10 ओवर के अंदर लक्ष्य का पीछा कर लिया। मैच से डबलिन का मौसम बेहद खराब दिख रहा था और मैच के दौरान बारिश होने की पूरी संभावना दिख रही थी। ऐसे में कप्तान हार्दिक ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यहीं से भारतीय टीम मैच में आगे हो गई थी। जब आयरलैंड की टीम बल्लेबाजी के लिए उतरी तो उसे 12 ओवर खेलने थे, लेकिन आयरलैंड के बल्लेबाज जानते थे कि बारिश होने पर ये ओवर और कम हो जाएंगे। ऐसे में उन्होंने ज्यादा तेजी से रन बनाने की कोशिश की और जल्दी ही तीन विकेट गंवा दिए।आयरलैंड की टीम आठ गेंद में छह रन बनाकर दो विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए आए हैरी टेक्टर ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 33 गेंद में 64 रन की नाबाद पारी खेली। उनके बल्ले से छह चौके और तीन छक्के निकले। इसी वजह से आयरलैंड की टीम 108 रन के स्कोर तक पहुंच पाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए दीपक हुड्डा और ईशान किशन की जोड़ी ने 15 गेंदों में 30 रन जोड़ दिए थे। यहीं से भारत का आधा काम हो चुका था, लेकिन अगली दो गेंदों पर दो विकेट गिर गए और टीम मुश्किल में आ गई। इसके बाद कप्तान हार्दिक ने 12 गेंद में 24 रन बनाकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। हार्दिक पांड्या और दीपक हुड्डा के बीच 64 रन की साझेदारी हुई। भारत के लिए कैसा रहा मैच सकारात्मक पहलूः पावरप्ले में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। शुरुआती चार ओवरों में आयरलैंड के तीन विकेट गिरे और यह टीम सिर्फ 22 रन बना पाई। युजवेन्द्र चहल ने तीन ओवर में सिर्फ 11 रन दिए और एक विकेट लिया। वहीं, भुवनेश्वर कुमार ने भी तीन ओवर में 16 रन देकर ओक विकेट झटका। उन्होंने एक मेडन ओवर भी फेंका। बल्ले के साथ दीपक हुड्डा ने कमाल किया। उन्होंने पारी की शुरुआत की और भारत को जीत दिलाकर ही लौटे। हुड्डा ने 29 47 रन बनाए। ईशान किशन ने 11 गेंद में 26 और कप्तान हार्दिक ने 12 गेंद में 24 रन की पारी खेली। हार्दिक पांड्या बतौर कप्तान भी सुपरहिट रहे। उन्होंने टॉस जीतने के बाद समझदारी के साथ गेंदबाजी चुनी। इसके बाद खुद पर भरोसा जताया और दूसरा ओवर किया। दूसरी ही गेंद पर विकेट भी चटकाया। बल्ले के साथ भी उन्होंने फिनिशर का रोल बखूबी निभाया। छोटा लक्ष्य था और ओवर कम थे। इस वजह से ऋतुराज को बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजा। नकारात्मक पहलूः भुवनेश्वर कुमार और युजवेन्द्र चहल को छोड़ सभी भारतीय गेंदबाज बहुत महंगे साबित हुए। आवेश खान ने 11, अक्षर पटेल ने 12, हार्दिक ने 13 और उमरान मलिक ने 14 की इकोनॉमी से रन खर्चे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उमरान पहले ही ओवर में 14 रन लुटा दिए। इसके बाद हार्दिक ने उन्हें गेंदबाजी नहीं दी। बल्लेबाजी में सुर्यकुमार यादव कुछ खास नहीं कर पाए और पहली ही गेंद पर आउट हो गए। हार्दिक ने भी शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन मैच नहीं खत्म कर पाए। अंत में कार्तिक ने आकर मैच खत्म किया। हैरी टेक्टर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 33 गेंद में 64 रन की पारी खेली। उन्होंने छह चौके और तीन छक्के लगाए और अंत तक नाबाद रहे। उनकी शानदार पारी की बदौलत आयरलैंड की टीम 108 रन का बड़ा स्कोर बना पाई। गेंदबाजी में मार्क अडायर ने कंजूसी से रन खर्चे तो क्रैग यंग ने दो अहम विकेट निकाले। नकारात्मक पहलूः टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग इस मैच में फ्लॉप रहे। उन्होंने सिर्फ चार रन बनाए। कप्तान बालबिर्नी तो खाता तक नहीं खोल सके। डेनली नौ गेंद में आठ रन बनाकर आउट हुए। इसी वजह से पावरप्ले में यह टीम तीन विकेट गंवाकर 22 रन ही बना पाई। गेंदबाजी में जोशुआ लिटिल ने 16.70 के इकोनॉमी रेट से 14 गेंद में 39 रन लुटा दिए। मैकब्रिन ने भी एक ओवर में 21 रन खर्चे।

दीपक हुड्डा के दम पर भारत ने आयरलैंड को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली । भारत ने आयरलैंड को दो मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में सात विकेट से हरा दिया है। बारिश की वजह से मैच लगभग ढाई घंटे बाद शुरू हुआ। अंपायर्स ने ओवरों में कटौती करते हुए मुकाबला 12-12 ओवर का कर दिया था। आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में चार विकेट गंवाकर 108 रन बनाए। हैरी टेक्टर ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 64 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 9.2 ओवर में तीन विकेट पर 111 रन बनाकर मैच जीत लिया। दीपक हुड्डा 29 गेंदों पर 47 रन और दिनेश कार्तिक चार गेंदों पर पांच रन बनाकर नाबाद रहे। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने आयरलैंड के खिलाफ 1-0 की अजेय बढ़त ले ली है। सीरीज का अगला मैच मंगलवार को खेला जाएगा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पहले दो ओवर में दो विकेट गंवा दिए थे। भुवनेश्वर कुमार ने कप्तान एंड्रयू बलबर्नी को पहले ही ओवर में क्लीन बोल्ड किया। बलबर्नी शून्य पर आउट हुए। इसके बाद भारतीय कप्तान हार्दिक पांड्या ने दूसरे ओवर में पॉल स्टर्लिंग को दीपक हुड्डा के हाथों कैच कराया। स्टर्लिंग चार रन बना सके। इसके बाद पांचवें ओवर में गैरेथ डेलानी को आवेश खान ने विकेटकीपर कार्तिक के हाथों कैच कराया। डेलानी आठ रन बना सके। 22 रन पर आयरलैंड ने तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद हैरी टेक्टर और लोर्कन टकर ने आयरलैंड की पारी संभाली और चौथे विकेट के लिए 29 गेंदों पर 50 रन की साझेदारी निभाई। टकर को युजवेंद्र चहल ने अक्षर पटेल के हाथों कैच कराया। टकर 16 गेंदों पर 18 रन बना सके। अपनी पारी में उन्होंने दो छक्के लगाए। वहीं, हैरी टेक्टर ने पहले 30 गेंदों पर अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का तीसरा अर्धशतक लगाया। आखिरी के ओवरों में उन्होंने खूब रन बटोरे। हैरी टेक्टर 33 गेंदों पर छह चौके और तीन छक्के की मदद से 64 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके अलावा जॉर्ज डॉकरेल भी चार रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से भुवनेश्वर कुमार, हार्दिक, आवेश और चहल को एक-एक विकेट मिला। आखिरी के पांच ओवर में आयरलैंड ने 52 रन बनाए और सिर्फ एक विकेट गंवाया।109 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत ठीक-ठाक रही। 30 रन के कुल स्कोर पर भारत को पहला झटका लगा।

रोहित के संक्रमित होने पर इंग्लैंड बुलाए गए मयंक अग्रवाल, बिना क्वारंटीन हुए टीम के साथ जुड़ेंगे

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के लिए मयंक अग्रवाल को इंग्लैंड बुलाया गया है। अग्रवाल शुभमन गिल के साथ टीम इंडिया के लिए पारी की शुरुआत कर सकते हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा कोरोना संक्रमित हो गए हैं। ऐसे में उनके विकल्प के रूप में मयंक अग्रवाल को इंग्लैंड बुलाया गया है। भारत के दो अहम ओपनर रोहित शर्मा और केएल राहुल इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में गिल और अग्रवाल की जोड़ी पारी की शुरुआत कर सकती है। हालांकि, अब तक यह तय नहीं हुआ है कि रोहित टेस्ट मैच से पहले फिट होंगे या वो पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट एक जुलाई से होना है। ऐसे में रोहित के पास अभी भी तीन का दिन का समय है। अगर रोहित शर्मा ठीक हो जाते हैं तो वो भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे और गिल के साथ पारी की शुरुआत भी करेंगे। वहीं, उनके न रहने पर ऋषभ पंत या विराट कोहली को कप्तान बनाया जा सकता है। इंग्लैंड पहुंचने के बाद मयंक अग्रवाल को क्वारंटीन में नहीं रहना होगा। वो सीधे टीम इंडिया के साथ जुड़ेंगे और अपना अभ्यास शुरू कर देंगे। मयंक पहले भी कई बार टीम इंडिया के लिए टेस्ट में पारी की शुरुआत कर चुके हैं और उनका रिकॉर्ड भी अच्छा है, लेकिन आईपीएल 2022 में खराब फॉर्म की वजह से अग्रवाल को भारतीय टीम में मौका नहीं दिया गया। भारत का इंग्लैंड दौरा शुरू होने से पहले तीन भारतीय खिलाड़ी संक्रमित हो चुके हैं। सबसे पहले रविचंद्रन अश्विन भारत में ही संक्रमित पाए गए थे और टीम के बाकी सदस्यों के साथ इंग्लैंड नहीं गए थे। अश्विन बाद में टीम के साथ जुडे़। इसके बाद विराट कोहली भी संक्रमित हुए, लेकिन समय रहते ही वो ठीक भी हो गए। अब रोहित शर्मा भी कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, इंग्लैंड के विकेटकीपर बेन फोकस भी बीच मैच के दौरान संक्रमित पाए गए और उनकी जगह जॉनी बेयरस्टो ने विकेटकीपिंग की। भारत और इंग्लैंड के बीच यह टेस्ट सीरीज पिछले साल शुरु हुई थी, लेकिन टीम इंडिया में कोरोना के मामले बढ़ने के बाद आखिरी टेस्ट को स्थगित कर दिया गया था, जो अब एक जुलाई से खेला जाएगा। हालांकि, कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से इस मैच पर भी स्थगित होने का खतरा मंडरा रहा है।

भारत और लीसेस्टरशायर के बीच अभ्यास मैच ड्रॉ पर छूटा कोरोना से ठीक होने के बाद अश्विन ने दिखाया जलवा......

नई दिल्ली । भारत ने पहली पारी में आठ विकेट पर 246 रन बनाए। इसके बाद लीसेस्टरशायर पहली पारी में 244 रन पर ढेर हो गई। भारत ने अपनी दूसरी पारी को सात विकेट पर 364 रन पर घोषित कर दिया। लीसेस्टरशायर ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 219 रन बनाए। मैच ड्रॉ पर छूटा। भारत और लीसेस्टरशायर के बीच अभ्यास मैच ड्रॉ पर समाप्त हो गया है। मैच के चौथे दिन रविवार (26 जून) को लीसेस्टरशायर को जीत के लिए 367 रन बनाने थे। उसने चार विकेट पर 219 रन बनाए। 66 ओवर के बाद दोनों कप्तानों ने ड्रॉ पर सहमति जताई। दूसरी पारी में लीसेस्टरशायर के लिए शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 62 रनों की पारी खेली। भारत के लिए रविचंद्रन अश्विन ने दो विकेट लिए। कोरोना से ठीक होने के बाद अश्विन ने अपनी फिटनेस को साबित कर दिया है। उन्होंने 11 ओवर की गेंदबाजी में अपना जलवा दिखा दिया। भारत ने पहली पारी में आठ विकेट पर 246 रन बनाए थे। इसके बाद लीसेस्टरशायर पहली पारी में 244 रन पर ढेर हो गई। भारत ने अपनी दूसरी पारी को सात विकेट पर 364 रन के स्कोर पर घोषित कर दिया। इस तरह लीसेस्टरशायर को जीत के लिए 367 रन का लक्ष्य मिला था। टीम इंडिया अब एजबेस्टन जाएगी।वहां टीम इंडिया एक से पांच जुलाई तक पांचवां टेस्ट मैच खेलेगी। टीम इंडिया पिछले साल अगस्त-सितंबर में इंग्लैंड के दौरे पर गई थी।

जो रूट ने स्विच हिट पर लगाया शानदार छक्का, हैरान रह गई न्यूजीलैंड की टीम

नई दिल्ली ।सोशल मीडिया पर रूट द्वारा लगाया स्विच हिट शॉट काफी वायरल हो रहा है। यह शॉट उन्होंने 22वें ओवर की आखिरी गेंद पर न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नील वैगनर की गेंद पर लगाया। रूट ने थर्ड मैन के ऊपर से शानदार छक्का जड़ा। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा टेस्ट लीड्स के हेडिंग्ले में जारी है। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के सामने 296 रन का लक्ष्य रखा है। जवाब में इंग्लैंड की टीम अपनी दूसरी पारी में मैदान पर है। रविवार को टेस्ट का चौथा दिन है। ऐसे में इंग्लिश टीम की पकड़ इस मैच पर मजबूत मानी जा रही है। इंग्लैंड की दूसरी पारी में जो रूट ने एक ऐसा शॉट खेला, जिसकी सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है। दरअसल, रूट को ऑर्थोडॉक्स शॉट्स के लिए जाना जाता है। वे बेहद शानदार कवर ड्राइव और फ्लिक लगाते हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने स्विच हिट लगाया। इस अनऑर्थोडॉक्स शॉट को देखकर मैदान पर मौजूद कीवी खिलाड़ी से लेकर गेंदबाज और कमेंटेटर भी हैरान रह गए। सोशल मीडिया पर रूट द्वारा लगाया स्विच हिट शॉट काफी वायरल हो रहा है।

भुवनेश्वर कुमार ने साउदी को पीछे छोड़ हासिल की खास उपलब्धि, अब तोड़ेंगे पाकिस्तानी गेंदबाज का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । भुवनेश्वर कुमार ने आयरलैंड के खिलाफ पहले ही ओवर में विकेट चटकाया और इसके साथ ही टी20 क्रिकेट में पावरप्ले के अंदर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। भारत और आयरलैंड के बीच टी20 सीरीज का पहला मैच कई भारतीय खिलाडियों के लिए यादगार रहा।

हार्दिक पांड्या ने इस मैच में पहली बार कप्तानी की तो उमरान मलिक ने टीम इंडिया के लिए पहला मैच खेला। वहीं, भुवनेश्वर कुमार ने भी अपने प्रदर्शन से यह मैच खास बना लिया। भुवनेश्वर कुमार ने आयरलैंड के खिलाफ पहले ही ओवर में विकेट चटकाया और इसके साथ ही टी20 क्रिकेट में पावरप्ले के अंदर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने न्यूजीलैंड के टिम साउदी और वेस्टइंडीज के सैमुअल बद्री को पीछे छोड़ा। अब भुवनेश्वर कुमार की निगाहें पाकिस्तान के सोहेल तनवीर का रिकॉर्ड तोड़ने पर होंगी। सोहेल तनवीर ने टी20 में पहले ही ओवर में सबसे ज्यादा 36 विकेट चटकाए हैं और भुवनेश्वर कुमार अब तक पहले ओवर में 32 विकेट ले चुके हैं। आयरलैंड के खिलाफ मैच में भुवनेश्वर ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने अपने तीन ओवर में सिर्फ 16 रन दिए और एक विकेट भी लिया। इस दौरान उन्होंने एक मेडन ओवर भी किया। इसी वजह से बाकी गेंदबाजों को भी विकेट मिले। टी20 में पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट भुवनेश्वर के नाम भुवनेश्वर ने 62 पारियों में पावरप्ले में गेंदबाजी की है और 34 विकेट चटकाए हैं। वहीं, सैमुएल बद्री ने 50 और टिम साउदी ने 68 पारियों में इतने ही विकेट लिए हैं। इस मामले में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर हैं, जिनके नाम 58 पारियों में 27 विकेट हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड सिर्फ 30 पारियों में पावरप्ले के अंदर 26 विकेट ले चुके हैं। टी20 फॉर्मेट में पहले ही ओवर में विकेट चटकाने के मामले में भुवनेश्वर पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर को पीछे छोड़ चुके हैं और अब पाकिस्तान के ही सोहेल तनवीर का रिकॉर्ड तोड़ने पर उनकी निगाहें होंगी। भुवनेश्वर क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में पहले ही ओवर में 32 विकेट चटका चुके हैं, जबकि मोहम्मद आमिर ने 30 विकेट लिए थे। इस मामले में पाकिस्तान के सोहेल तनवीर सबसे आगे हैं, जिन्होंने टी20 मैच की किसी पारी के पहले ही ओवर में 36 विकेट निकाले हैं। भुवनेश्वर इसी साल सोहेल तनवीर का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

राशिफल

मेष-:परिवर्तन और आत्मनिरीक्षण इस अवधि के दौरान सफलता की कुंजी है। आज आपको गुणवत्ता और प्रदर्शन पर जोर देना होगा।

वृष-:आज आपको करियर के मामले में कोई बड़ी सफलता मिलेगी. कार्यक्षेत्र में धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आज आप कुछ ऐसे लोगों से जुड़ेंगे जो आपकी हर तरह से मदद के लिए तैयार रहेंगे।

मिथुन-:आज धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी. कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा व्यस्त और तनावपूर्ण होगी। कार्यस्थल पर कार्यभार में तेजी से वृद्धि देखने को मिल सकती है।

कर्क-:आज आप अपने भविष्य और स्वास्थ्य को लेकर अधिक उत्सुक रहेंगे और सही लोगों से सलाह लेंगे. प्रचुर मात्रा में आर्थिक लाभ होने के संकेत हैं।

सिंह-:आज कार्यस्थल पर स्थिति अनुकूल रहेगी, लेकिन कुछ भी बोलते समय आपको सावधान रहना चाहिए. आप कुछ कहना चाहते हैं, लेकिन कुछ और कहेंगे। इससे आपके आसपास के लोगों को कुछ गलतफहमी भी हो सकती है।

कन्या-:आपका ज्ञान और हास्य आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा. आप अपनी मानसिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देख सकते हैं। यात्रा करने के लिए यह दिन आपके लिए बेहद खास रहने वाला है।

तुला-:लंबे समय से प्रतीक्षित कानूनी मामले का अचानक लिया गया फैसला आपको हैरान कर देगा। परिवार आपके लिए प्राथमिक है और आप उन्हें खुश करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

वृश्चिक-:आज आपके वैवाहिक संबंधों के बीच की दूरियां खत्म होंगी. वहीं रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी, लेकिन किसी व्यावसायिक मामले को लेकर आप परेशान हो सकते हैं।

धनु-:आज आपको परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा. आपके लिए कुछ फैसलों में सटीकता हो सकती है। आत्मविश्वास से जोखिम भरे कार्यों में सफलता मिल सकती है।

मकर-:आज के दिन आप तर्क-वितर्क और जिद्दी हो सकते हैं. आप खुद को कठिन परिस्थितियों में पा सकते हैं। जहां तक ??हो सके वाद-विवाद से दूर रहें। परिवार के सदस्य तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं।

कुंभ-:आज आपको कार्यक्षेत्र में वृद्धि के कुछ नए अवसर प्राप्त होंगे. आपको उधार दिया हुआ पैसा अचानक वापस मिलेगा। जीवनसाथी के साथ डिनर कर सकते हैं। रिश्तों में सकारात्मकता आएगी।

मीन-:आज आपका दिन सुकून भरा रहेगा मनोरंजन और पढ़ाई के क्षेत्र में समय व्यतीत होगा. आपके काम को लेकर कोई नई योजना बन सकती है।

सम्पादकीय

मरमर्सः कई विधाओं का समुच्चय

सौमित्र चैटर्जी एक अभिनेता रहे हैं इसके साथ वे बहुत एकांतप्रिय हैं। सत्यजित राय की 'अपुर संसार' से प्रारंभ कर तकरीबन छः दशक उन्होंने अभिनय किया साहित्य को खांचों में डालने का प्रयास किया जाता है। मगर जैसे व्याकरण भाषा के पीछे चलता है वैसे ही विधाएं साहित्य के बाद आती हैं। अतः कई बार साहित्य को परम्परागत ढ़ांचे में बांधना संभव नहीं होता है। अक्सर रचना साहित्यिक विधा के ताने-बाने, बने-बनाए फ़ार्मूले को तोड़ कर आगे निकल जाती है। कभी-कभी वह विधाओं का सम्मिश्रण होती है और पता नहीं चलता है इसे किस खाते में डाला जाए। शायद इसके लिए विधा की किसी नई संज्ञा की आवश्यकता होती है और इसी तरह विधाओं का विस्तार भी होता है। अमिताव नाग की किताब 'मरमर्सः साइलेंट स्टील्स विथ सौमित्र चैटर्जी' कई विधाओं का समुच्चय है। इसे आप किसी एक विधा में नहीं समेट सकते हैं। बांग्ला तथा इंग्लिश भाषा पर समान अधिकार जैसाकि नाम से स्पष्ट है यहां फुसफुसाहट है, चरमराहट है, सरसराहट है। बीच-बीच में कलरव भी है। और यह सब अमिताव नाग ने चुराया है सौमित्र चैटर्जी के साथ। कई बार नाग ने चैटर्जी के एकांत-अंतर में सेंध लगाई है और वहाँ से कुछ नायाब चुरा लाए हैं। ये चुराई बातें वे छिपा कर नहीं रखते हैं, अपने तक सीमित नहीं रखते हैं। जाहिर है सारा नहीं मगर उसमें से कुछ फुसफुसाहट अपनी किताब की शक्ल में पाठकों के साथ साझा करते हैं। अमिताव नाग एक स्वतंत्र लेखक हैं जिनका बांग्ला तथा इंग्लिश भाषा पर समान अधिकार है। इंग्लिश में उनका कविता संग्रह 'फ़ॉरएवर मीरा' (2020) प्रकाशित है। कविताओं के साथ वे कहानियां भी लिखते हैं। उन्होंने अनुवाद कार्य किया है। सौमित्र चैटर्जी की बांग्ला कविताओं का उनके द्वारा किया गया अनुवाद 'वॉकिंग थ्रू द मिस्ट' (2020) नाम से प्रकाशित है। इन्हीं अनुवादों के चक्कर में वे कई बार चैटर्जी से मिले और उन्होंने इसी बातचीत, इस दौरान फ़ैली खामोशी को 'मरमर्स' में पिरोया है। पहली दृष्टि में यह सब बेतरतीब लग सकता है मगर इनकी एक आंतरिक लय है। पिछले बीस सालों से अमिताव नाग ने सिनेमा पर भी कलम चलाई है, जिसमें से कुछ काम किताब के रूप में प्रकाशित है। 'द सिनेमा ऑफ तपन सिन्हाः एन इंट्रोडक्शन' उनकी ऐसी ही एक किताब है। इसी किताब के कारण मेरे पटल 'सृजन संवाद' पर उनका आना हुआ। इसके अलावा सत्यजित राय पर उन्होंने 'सत्यजित राय'स हीरोज एंड हिरोइन्स' किताब लिखी। सौमित्र चैटर्जी के वे घोर प्रशंसक हैं, 'बियॉन्ड अपुः 20 फ़ेवरेट फ़िल्म्स ऑफ़ सौमित्र चैटर्जी' उनकी एक किताब का नाम है। सिनेमा से जुड़ी उनकी अन्य किताबें हैं, 'स्मृति सत्ता ओ सिनेमा' तथा '16 फ़्रेम्स'। वे 2001 से प्रारंभ हुई 'सिल्हुट' नामक सिने-पत्रिका के संस्थापक सदस्य तथा वर्तमान में उसके संपादक हैं। किताब पर एक नजर आइए देखें अमिताव नाग अपनी किताब 'मरमर्स' में हमें क्या बता रहे हैं। वे इसमें अपनी और सौमित्र चटर्जी दोनों की बात कर रहे हैं। सौमित्र चटर्जी अपनी रूचियाँ, अपने पसंदीदा लोगों, अपने भय, अपनी चिंताओं के बारे में बता रहे हैं। नाग अपने भय मिश्रित आदर, अपने मन में अभिनेता के प्रति प्यार-सम्मान, कविता से अपने लगाव की बात कर रहे हैं। अमिताव नाग ने अभिनेता के विभिनन्‍ मूड को पकड़ा है। ये सारी बातचीत साक्षात्कार विधा के अंतर्गत नहीं रखी जा सकती है। बहुत सारी बात स्व-कथन है, जिसे नाटक की भाषा में पात्र के मन में चल रही वार्ता, मोनोलॉग के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यहां संवाद हैं, एकालाप है, फुसफुसाहट है और बहुत कुछ है। छोटे-छोटे 20 अध्यायों में बँटी इस रचना की छोटी-सी भूमिका लिखी है प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक श्याम बेनेगल ने। वे लिखते हैं, 'यह महान अभिनेता की अनोखी तस्वीर (पोर्ट्रेट) है। आप उन्हें अतिविशिष्ट अंतरंग फ़ैशन में सुनते, जानते हैं।...' उन्हें सौमित्र को अपनी फिल्म में निर्देशित न कर पाने का अफसोस है, कारण सौमित्र का हिन्दी भाषा न जानना था और सौमित्र चैटर्जी डबिंग के लिए राजी न थे। बेटे आकाश और सौमित्र चैटर्जी को समर्पित इस किताब की भूमिका में श्याम बेनेगल लिखते हैं, 'जब आप सौमित्र चैटर्जी के इन चिंतन को पढ़ना समाप्त करते हैं, तो ऐसा है मानो आप किसी करीबी मित्र को सुन रहे थे, लगभग हमराज की तरह।' इसमें दो राय नहीं कि बहुमुखी प्रतिभा सम्पनन्‍ नाटक-सिने अभिनेता सौमित्र चैटर्जी का व्यक्तित्व सम्मोहक है।

अफगानिस्तान में भारत की वापसी : आम नागरिकों के लिए भेजी मदद, तालिबान को मान्यता नहीं देने के फैसले पर अब भी अडिग

तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने के बाद भारतीय राजनयिकों को अफगानिस्तान छोड़ना पड़ा, तो उसकी बड़ी वजह सुरक्षा का अभाव ही था। वहां स्थानीय स्तर पर सुरक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए विगत दो जून को एक भारतीय टीम ने अफगानिस्तान का दौरा किया।तालिबान को दोबारा मजबूत होते देख अमेरिका ने पिछले साल जब काबुल से बाहर निकलने का फैसला किया, तब भारत भी अफगानिस्तान से बाहर निकल आया था। दरअसल अमेरिका ने अफगानिस्तान में जैसा बदलाव लाने की इच्छा जताई थी, दो दशक तक उस पर नियंत्रण बनाए रखने के बावजूद वह वैसा कुछ नहीं कर पाया था। 9/11 के बाद अफगानिस्तान की सत्ता से बाहर हुए तालिबान पिछले साल फिर सत्ता पर काबिज हो गए। अल कायदा भले ही वैसा ताकतवर नहीं रहा, जैसा वह 9/11 के समय था, लेकिन आईएस और टीटीपी (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) ने उसकी जगह ले ली। भारत को निशाना बनाने वाले लश्कर और जैश जैसे आतंकी समूह भी मजबूत बने रहे। पिछले साल अमेरिका द्वारा वित्त पोषित अशरफ गनी की सरकार गिरने का मतलब था कि अफगानिस्तान में उथल-पुथल बरकरार रहे। वैसी स्थिति में भारत के सामने अपने राजनयिकों को वहां से बाहर निकाल लेने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था। वैसे में उन अफगानी नागरिकों से भी भारत का रिश्ता टूट गया, शांति काल में वह जिनकी मदद कर रहा था। अलबत्ता काबुल में स्थिति सहज होते ही भारत ने अपनी अफगानिस्तान नीति पर पुनर्विचार करने का फैसला लिया। जैसा कि विदेश मंत्रालय ने रेखांकित किया है, भारत एक बार फिर 'अफगान नागरिकों के साथ अपने ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंध बहाल करने की' कोशिश कर रहा है। हालांकि भारत द्वारा तालिबान शासन को मान्यता न देने का निणर्य यथावत है। दरअसल अमेरिकियों के अफगानिस्तान से बाहर निकलने के कुछ दिन बाद ही भारत ने तालिबान के साथ राजनयिक संपर्क का रास्ता खोला था, जब कतर स्थित भारतीय राजदूत दीपक मित्तल ने विगत 31 अगस्त को दोहा में तालिबान के राजनीतिक प्रमुख मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई से मुलाकात की थी। विगत जनवरी में संपनन्‍ हुए पहले भारत-मध्य एशिया सम्मेलन में अफगानिस्तान की रुकी हुई परियोजनाओं तथा तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-इंडिया (टीएपीआई) पाइपलाइन परियोजना पर काम शुरू करने का मुद्दा उठा।

महाराष्ट्र का सियासी संकटः क्या भाजपा के बिछाए जाल से निकल पाएगी शिवसेना

महाराष्ट्र सरकार का पतन एक महागठबंधन की इच्छा और उसके निर्माण के लिए जोखिम प्रबंधन के संबंध में सबक पेश करता है। कहा जाता है कि इतिहास खुद को दोहराता नहीं है, बल्कि अक्सर तुकबंदी करता है। शिवसेना-कांग्रेस-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गठबंधन यानी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) की शुरुआत ही एनसीपी में नाकाम बगावात से हुई थी। ढाई साल बाद इस गठबंधन के संभावित अंत को शिवसेना में बगावत के रूप में परिभाषित किया जा रहा है। वर्ष 2019 में राकांपा ने शिवसेना के साथ मिलकर भाजपा को मात देकर सत्ता पर कब्जा किया था। उसका बदला भाजपा ने वर्ष 2022 में एकनाथ शिंदे को बहला-फुसलाकर और राजनीतिक बाघ को फंसाकर शिकार किया है। क्या शिवसेना भाजपा के बिछाए जाल से निकल पाएगी? ऐसा लगता तो नहीं है। हालांकि भाजपा के लिए आगे की राह चुनौतीपूर्ण है। विभिनन्‍ राज्य विधानसभाओं द्वारा दलबदल पर कानून की व्याख्या और उसके बाद के मामले अनिश्चितता का दृश्य प्रस्तुत करते हैं। हिंदुत्व के वोट के लिए शुरू हुई यह लड़ाई गुवाहाटी से मुंबई की विधानसभा तक पहुंचने से पहले अब अपेक्षा के अनुरूप ही अदालत में पहुंच गई है और सड़कों पर भी दिख सकती है। महाविकास आघाड़ी (एमवीए) का यह हश्र राजनीतिक दलों के लिए कुछ सबक पेश करता है और ध्यान देने योग्य कुछ सवाल उठाता है। कुछ समय पहले बंगाल चुनाव के बाद भाजपा के खिलाफ एक आम मोर्चा बनाने की बातें हो रही थीं और उसके केंद्र में ममता बनर्जी और शरद पवार थे। महाराष्ट्र सरकार का पतन एक महागठबंधन की इच्छा और उसके निर्माण के लिए जोखिम प्रबंधन के संबंध में सबक पेश करता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा एमवीए गठबंधन के पतन का लाभ उठाएगी-इसके विरोधाभासों और कथित भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण, जो कि अवसरवादी गठबंधनों के खिलाफ विश्लेषण का विषय होगा। राजनीतिक उद्यमिता और अवसरवाद के लिए एमवीए विश्लेषण का विषय है। तीनों दलों का एक साथ आना अटल बिहारी वाजपेयी की इस उक्ति को चरितार्थ करता था-कहीं का ईंट कहीं का रोड़ा, भानुमती ने कुनबा जोड़ा। इनमें से हर पार्टी एक दूसरे की कटु आलोचक रही है। मूल रूप से कम्युनिस्टों से लड़ने के लिए कांग्रेस द्वारा समर्थित शिवसेना ने मुंबई से कांग्रेस को खदेड़ना शुरू किया और 1980 के दशक में हिंदुत्व के मुद्दे पर सवार होकर बड़ी ताकत के रूप में उभरी। इसका उदय 1988 में कांग्रेस (आई) और कांग्रेस (एस) के विलय से हुआ, जिससे विपक्ष का स्थान खाली रह गया। कांग्रेस (एस), या पवार कांग्रेस, एनसीपी का पहला अवतार था, जिसका जन्म 1999 में कांग्रेस के 'विदेशी नेतृत्व' के खिलाफ हुआ था। आगे का रास्ता आंदोलन और कानूनी लड़ाई वाला है। भाजपा प्लान ए और बी, दोनों से लैस है। प्लान ए इस उम्मीद पर टिका हुआ है कि वह अपनी पसंद के विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव करने, ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार को सदन में विश्वास मत में हराने और देवेंद्र फडणवीस को एक बार फिर डबल इंजन सरकार चलाने के लिए नियुक्त करेगी और देवेंद्र फड़णवीस के बारे में सभी अटकलों को खत्म कर देगी। हालांकि, कुछ समय बाद, पार्टी यह लड़ाई सड़कों पर नहीं लड़ना चाहेगी, क्योंकि इस मामले में शिवसेना की जो पहचान है, उसे देखते हुए वह मुंबई में कानून-व्यवस्था बिगाड़ सकती है। उसके बाद भाजपा का प्लान बी शुरू होगा और वह राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाकर गुजरात के साथ विधानसभा का चुनाव कराएगी। कहा जाता है कि प्यार और युद्ध में सब जायज है और भाजपा चाणक्य नीति में माहिर है। हां, राजनीतिक विरोधियों को घेरने के लिए एजेंसियों के इस्तेमाल को लेकर विपक्ष आवाज उठा रहा है। लेकिन तथ्य यह है कि एजेंसियों का इस्तेमाल यूपीए शासन के दौरान भी ठीक-ठाक ढंग से हुआ था। सपा और बसपा, दोनों के नेता इसकी पुष्टि करेंगे। भ्रष्टाचार चाहे जिस भी स्तर पर हो, चाहे वह कथित हो, वास्तविक हो, सिर्फ आरोप हो या साबित हो, विक्रम की तरह बैताल का शिकार करता है। सवाल यह है कि शिवसेना कैसे ऊंघती हुई पकड़ी गई। एक सोच यह है कि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि गृह विभाग शिवसेना के पास नहीं था। लेकिन इस तर्क में दम नहीं है। तथ्य यह है कि शिवसेना और गठबंधन की पाटिर्यां यहां तक कि सहयोगी मंत्रियों के ऊपर पड़ते छापे को लेकर भी परेशान नहीं थीं। विद्रोहियों ने इससे सबक लिया। उन्होंने अपने बगावत का कारण ढूंढ लिया और उसे सामने रखा। वे जिस तर्क का सहारा ले रहे हैं, वह यह है कि एमवीए हिंदुत्व के मुद्दे को कमजोर कर रहा है। यह ऐसा मुद्दा है, जिस पर गठबंधन के समय ही आपत्ति होनी चाहिए थी। दूसरा पहलू यह बताया गया कि शिवसेना के भीतर गैर सांविधानिक संस्था के जरिये मंत्रियों की ताकत को अपहृत किया जाता है। ध्यान देने वाली बात है कि मूल रूप से स्वीकृत फैसलों और प्रथाओं को बगावत की शिकायतों में तब्दील कर दिया गया है। देर से की गई प्रतिक्रिया से पता चलता है कि वे चुनाव से दूरी और विरोध के लिए प्रोत्साहन से प्रेरित हैं। भारत के क्षेत्रीय दल बड़े पैमाने पर परिवार संचालित उद्‌यम हैं, जो आम तौर पर किसी व्यक्ति की छवि के इर्द-गिर्द निर्मित होते हैं। भारतीय राजनीति की प्रमुख गलती यह है कि राज्यों में शासन करने वाली किसी भी क्षेत्रीय पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नहीं है। आमतौर पर रणनीतिक निणर्य शीर्ष स्तर पर लिए जाते हैं और निचले कार्यकत्ताओं को विद्रोह के बीज बोने के लिए उपजाऊ जमीन उपलब्ध कराते हैं। मुंबई में सत्ता के इस संघर्ष का राष्ट्रीय स्तर पर असर पड़ने वाला है और यह लोकतंत्र के लिए गंभीर सवाल खड़े करता है। इसकी जड़ में दल-बदल विरोधी कानून की भावना है। यह कहना सही होगा कि सबसे ज्यादा राजनीतिक नवाचार दल-बदल विरोधी कानून को लेकर हुए हैं। दल-बदल विरोधी कानून की भावना को दरकिनार करने के लिए अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग मॉडल हैं-महाराष्ट्र मॉडल, गोवा मॉडल, मणिपुर मॉडल, अरुणाचल प्रदेश मॉडल। इस कानून की भावना की व्याख्या अलग-अलग राज्यों एवं अदालतों में अलग-अलग ढंग से हुई है। अब जब विद्रोह के बिगुल की ध्वनि मुंबई से दिल्ली तक सुनी जा रही है, यह सवाल पूछा ही जाना चाहिए कि जिन मतदाताओं ने जनप्रतिनिधियों को चुना है, इस विवाद में उनकी भी कोई भूमिका होनी चाहिए या नहीं।

विमर्श के अभाव में सुलगता देशः योजनाओं की घोषणा और पीछे कदम लेती सरकार.....

कमोबेश पूरा देश इन दिनों विरोध की लपटों के चपेट में है। केंद्र की ओर से घोषित सैन्य बहाली की नई योजना ठअग्निपथ ठ के खिलाफ उठी चिंगारी देखते ही देखते आग के शोलो मे तब्दील हो गई है। कमोबेश पूरा देश इन दिनों विरोध की लपटों के चपेट में है। केंद्र की ओर से घोषित सैन्य बहाली की नई योजना ठअग्निपथ ठ के खिलाफ उठी चिंगारी देखते ही देखते आग के शोलो मे तब्दील हो गई है। विरोध की इस आग में भारतीय रेलवे की करोड़ों की सम्पत्ति अब तक स्वाहा हो चुकी है। अग्निपथ पर खड़े देश को सुलगाने और चोटिल करने की कोशिश अचानक की नहीं है। आगजनी और पत्थरबाजी के सुनियोजित षड्‌यंत्र की आंच पिछले कुछ दिनों से लगातार लगातार जलाई जा रही थी। लघु अवधि सैन्य सेवा की योजना ठअग्निपथठ पर केंद्र सरकार, तीनों सेना के प्रमुख, और सैन्य सेवा की तैयारी कर रहे युवाओं के अलावा सेना के रिटायर्ड वेटरन्स की अपनी अपनी राय है। अग्निपथ योजना लेकर जहां देश के प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा है की समय आने पर इसका फायदा दिखेगा। वहीं सर्वोच्य सैन्य अधिकारियों ने इसे बहुप्रतीक्षित बताया है, इनके अनुसार सेना सन 1989 से ही इस परिवर्तन को लेकर प्रयत्नशील थी। किंतु उचित समय की प्रतीक्षा में यह लंबित था। अब जब कोरोना काल के नाते पिछले दो वर्षों से सैन्य बलों मे भर्ती रुकी पड़ी है। ऐसे में इस योजना को लाने का इससे बेहतर अवसर हो ही नहीं सकता। साथ ही सैन्य बलों मे जवानों की नियमित और पूर्ववर्ती भर्ती पर रोक की घोषणा भी सेना कर चुकी है। जहां तक इसके पक्ष में दलीलों की बात करें तो यह युगांतरकारी है। इससे सैन्य बलों की औसत आयु कम होगी। देश को युवा सैनिक मिलेंगे। इनमें से एक चौथाई को आगे स्थाई नियुक्ति भी मिलेगी। वहीं सैन्य बलों में कटौती के कारण भविष्य में भारतीय सेना तकनीकी आधारित युद्ध मे सक्षम होगी। इन अग्निवीरों के लिए अर्धसैनिक एवं पुलिस बलों मे आरक्षण की व्यवस्था बनाई गई है। वहीं देश के व्यवसायी घरानों के साथ ही विभिनन्‍ राजनैतिक दलों के कार्यालयों में भी इनके लिए सेवा के बेहतर अवसर होंगे। अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर बनने वाले इन युवाओं को सेवा अवधि उपरांत लाखों रुपये मिलेंगे। इसके बावजूद भी देश का युवा आक्रोशित है? विपक्षी दल इसे भुनाने और सुलगाने में लगे हैं। जबकि देश विरोधी तत्व इस बहाने फिर एक बार देश जलाने मे लगा है। दरअसल मोदी सरकार में ये कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी किसान आंदोलन, एनआरसी एवं सीएए और एससी एसटी एक्ट दुरुपयोग मामले में ऐसा हो चुका है। अपने आठ वर्षों के कार्यकाल में इन महत्वपूर्ण मसलों पर सोच, साहस एवं पहल के बावजूद सरकार बैकफुट पर रही है। इन सभी मामलों में योजना के निर्माण और उसकी घोषणा अथवा लागूकरण में विमर्श का घोर अभाव रहा है। इन निणर्यों को लेकर लागू करने से पहले देशव्यापी चर्चा या विमर्श का कोई माहौल नहीं खड़ा किया गया। वहीं इसको लागू किए जाने के साथ देश भर में जिस व्यापक चर्चा संवाद को किया जाना चाहिए ता वो भी होता हुआ नहीं दिखा। सरकार बस फायदे भर गिनाती रही, वहीं नेता मंत्री बयान और ट्वीट कर सबकुछ नियंत्रण मे है जैसा संदेश देते रहे। जबकि परिस्थितियां ठीक इसके उलट रही। सहमति संकल्पनाओं के बावजूद भी ये बदलाव वापस लेने परे या फिर लागू नहीं हो पाए। बात अगर हालिया ज्ञानवापी- पैगंबर विवाद की करें तो बिन मांगे ही संघ एवं भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर से बयान आने लगे।अपराध बोध से भरे इन बयानों में न्याय एवं लोकतंत्र की जगह मजहबी भाईचारे की अपील थी। जबकि वादी पक्ष ने न्यायालय से साक्ष्यों के आधार पर यथाशीघ्र निणर्य की गुजारिश की थी। इसके लिए इनकी मांग 1991 के पूजा अधिनियम की निरस्ती, न्यायालय द्वारा ऐसे सभी मामलों में सुनवाई और शीघ्र निपटारे की है। ऐसा ही कुछ कृषि सुधार कानून में भी हुआ। वर्षों से लंबित इस सुधार को लागू होना था। इसके कई प्रावधान प्रसिद्ध कृषि विज्ञानी एम एस स्वामीनाथन समिति द्वारा सुझाए गए थे। किंतु महिनों के आंदोलन, हिंसा और पंजाब चुनाव की आहट के नाते इसे पूरी तरह वापस लिया गया। एनआरसी एवं सीएए का मामला भी अब तलक लंबित है। जबकि यह केवल देश के पूर्वी और उत्तर पूर्वी राज्यों की समस्या नहीं अपितु देश की सुरक्षा और मतांधो से मानवता की रक्षा का भी मसला है। इसके बावजूद यह शाहीन बाग जैसे प्रदर्शन और प्रोपगंडा के नाते रुका पड़ा है। एससी एसटी एक्ट दुरुपयोग मामले मे तो सरकार सर्वोच्च न्यायालय का निणर्य तक पलट चुकी है। पुरोधा संगठन के प्रमुख की आरक्षण पर पुनर्विचार के सोच से ही सरकार बहादुर की पेशानी पर बल पड़ने लगता है। जबकि इसका आधार एकात्म मानववाद रूपी समानता का सम्यक दर्शन से जुड़ा है। देशव्यापी संपर्क और करोड़ों सदस्यों के बावजूद भी ऐसे हर मसले पर अटकाव ही दिखता है। अग्निवीरों के तीरों की तपिश मे हिंसा और विरोध प्रदर्शन जारी है। सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। वहीं युवाओं को विरोध प्रदर्शनों से दूरी बरतने अन्यथा भविष्य में सरकारी सेवाओं से मरहूम रहने का संदेश दिया जा रहा है। आखिर एक लोकतांत्रिक देश में विरोध को कैसे अनुचित ठहराया जा सकता है। वहीं बलात् बंदी और सार्वजनिक संपत्तियों के नुकसान को आखिर कैसे कोई जायज ठहरा सकता है। किंतु क्या बिन पूरी तैयारी के इसे स्थाई तौर पर लागू रखा जा सकता है? क्योंकि शंका एवं विरोध के नाते नित्य थोड़ी बहुत सुविधा घोषणा जारी है। इससे संबंधित कई संजीदा सवाल है। सैन्य बल के रूप में मिलने वाली सेवा सुविधा सम्मान और बहाली के तौर तरीकों को लेकर युवाओं मे संदेह है। फिर एक ही सैन्य बल मे अधिकारी और जवानों के लिए अलग कानून जायज होंगे! फिलहाल तो इस मुद्दे पर सैन्य अधिकारियों के वक्तव्य से विशेषज्ञ भी हैरान हैं। वहीं अल्पावधि वाले प्रशिक्षण और अनुबंधों वाले सैनिकों के भरोसे देश की सुरक्षा छोड़ी जा सकती है अनुबंधों के आधार वाली सेना का विचार कोई नया नहीं है। दुनियाभर में ऐसी सेनाओं का चलन रहा है। आचार्य चाणक्य ने भी अपने सैन्य दल मे भृति सैनिकों को नियुक्त किया था। उन्होंने गुप्तचर सेवा में अनुबंधों के आधार पर बहुरुपिये संग विषकन्याओं का भी चलन था। किंतु तब इनके भरोसे ही राष्ट्र की सुरक्षा नहीं थी। ऐसे में सरकार को हठधर्मिता छोड़ सोचने की जरूरत है। वैसे भी किसी मसले पर देश का मानस जानने और सर्वप्रथम योजनाओं को सीमित पैमाने पर लागू कर समझने की जरूरत है। अन्यथा देश सुलगता और विमर्श यू ही भटकता रहेगा। डिस्क्लेमर (अस्वीकरण): यह लेखक के निजी विचार हैं। आलेख में शामिल सूचना और तथ्यों की सटीकता, संपूर्णता के लिए अमर उजाला उत्तरदायी नहीं है। अपने विचार हमें ट्ठ्ठैं.म्द.ग्ह पर भेज सकते हैं। लेख के साथ संक्षिप्त परिचय और फोटो भी संलगन करें।

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क में भारतवंशी युवक की गोली मारकर हत्या

अमेरिका। सतनाम सिंह शनिवार दोपहर करीब 3:46 बजे घर से थोड़ी दूर साउथ ओजोन पार्क में कार में बैठे किसी का इंतजार कर रहे थे। क्वींस इलाके में घर के बाहर पार्किंग में खड़े वाहन में बैठे भारतीय मूल के 31 वर्षीय सतनाम सिंह की रविवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। न्यूयॉर्क पुलिस ने बताया कि सतनाम सिंह शनिवार दोपहर करीब 3:46 बजे घर से थोड़ी दूर साउथ ओजोन पार्क में कार में बैठे किसी का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच एक हमलावर आया और उन पर गोलियों की बौछार कर दी। सिंह की गर्दन, धड़ और सिर में गोलियां लगीं। उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि सिंह एक दोस्त से उसकी जीप रैंगलर सहारा लेकर आए थे। सतनाम सिंह को किसी के साथ?कहीं जाना था, इसलिए वह अपने दोस्त से यह गाड़ी मांगकर लाए थे।?अब जांच इस बात की चल रही है कि बदमाश गाड़ी के मालिक की हत्या करना चाहते थे या फिर किसी विवाद के कारण खुद सतनाम सिंह उनके निशाने पर थे।

नासा के रोवर को मंगल पर दिखे मिट्टी के टीले और परतदार पत्थर

अमेरिका। वैज्ञानिक का मानना है कि इस आधार पर यह माना जा सकता है कि मौसम में बदलाव के कारण पानी की धारा सूख गई गई होगी और मिट्टी के टीलों का निर्माण हुआ होगा। वैज्ञानिकों के मुताबिक, ये अरबों साल पहले मंगल की जलवायु में हुए एक बड़े बदलाव को दिखाते हैं। नासा के क्यूरोसिटी रोवर को मंगल ग्रह पर मिट्टी के सूखे टीले और परतदार पत्थर दिखे हैं। इससे प्राचीन समय में लाल ग्रह पर जलवायु परिवर्तन के संकेत मिलते हैं। रोवर द्वारा भेजी गई तस्वीरों मिट्टी ऊंचे-ऊंचे टीले दिखाई दे रहे हैं। वैज्ञानिक का मानना है कि इस आधार पर यह माना जा सकता है कि मौसम में बदलाव के कारण पानी की धारा सूख गई गई होगी और मिट्टी के टीलों का निर्माण हुआ होगा। वैज्ञानिकों के मुताबिक, ये अरबों साल पहले मंगल की जलवायु में हुए एक बड़े बदलाव को दिखाते हैं। रोवर लगातार ऊंचाई पर चढ़ रहा है। ऊंचाई से उसे ये टीले दिखे हैं।

बूंद -बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं पंचशील प्रतिष्ठा सोसायटी में टावर-आठ के निवासी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर-75 स्थित पंचशील प्रतिष्ठा सोसायटी में 25 जून से पानी की सप्लाई नहीं हो रही है।आलम यह है कि सूरज की भीषण तपिश के बीच सोसायटी के निवासी पानी की सप्लाई से महरूम हैऔर गौरतलब तो यह है कि इस सोसायटी का टावर -8 जोकि सबसे नवनिर्मित टावर है, वहां के फ्लैट के निवासी तो बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे है।इस टावर के निवासियों का दर्द है कि उनके टावर में पानी सबसे बाद में क्यों आता है? जबकि उन्होंने फ्लैट मंहगे दामों में खरीदे हैं।कल रात्रि में भी 12बजे टैंकर के पानी की सप्लाई, उक्त टावर में हुई। जबकि अन्य टावरों में पानी शाम के बाद से ही आ रहा था। गौरतलब तो यह भी है कि इस टावर में तो पानी की आपूर्ति रोजाना बाधित होती है, मेंटनेंस में फोन करने के कुछेक घंटों बाद ही पुनःपानी की आपूर्ति बहाल की जाती है। उधर सोसायटी/बिल्डर ने नोटिस जारी कर आश्वासन दिया था कि गंगा वाटर की मेन लाइन में खराबी के कारण चार पांच दिन तक पानी की सप्लाई,वह सुबह शाम तीन घंटे जारी रखेंगे। लेकिन आज पानी, उक्त टावर में सुबह एक घंटे भी नहीं आया। सोसायटी विशेषकर टावर -आठ के निवासियों में खासा आक्रोश है। टावर -आठ के फ्लैटवासियों का यह भी कहना है कि बिल्डर हमारे ग्राउंड फ्लोर पर स्थित प्रतीक्षा प्लेस के डेकोरम पर उचित ध्यान दें।एसी पुनः प्रतिस्थापित करें व टावर -आठ की रात्रि की नेम लाइट भी लगवाए तथा लिफ्ट भी आए दिन खराब हो जाती हैं।उनका स्थायी रखरखाव सुनिश्चित करें।

अग्निपथ के विरोध में कांग्रेस का शान्ति पूर्ण सत्याग्रह.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामकुमार तंवर के नेतृत्व में भाजपा सरकार की युवा विरोधी स्कीम अग्निपथ के विरोध में शांतिपूर्ण सत्याग्रह का आयोजन

सेक्टर 4,9 मेन मार्केट में किया गया। इस अवसर पर नोएडा के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओ ने इस सत्याग्रह की अगवाई की सत्याग्रह का आयोजन पीसीसी सदस्य फिरे सिंह नागर ने किया इस अवसर पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष रामकुमार तंवर ने कहा कि अग्निपथ के नाम पर इन भतिर्यों को ख़त्म कर उनके ऊपर पाषाण प्रहार हुआ है।इतने सपनों को कुचल देना ठीक नहीं है।भारतीय सेनाओं के नियम से खिलवाड़ करना अनुचित है।इस अवसर पर फिरे सिंह नागर ने कहा कि धीरे धीरे भाजपा का असली चेहरा सब के सामने आरहा है ये भाजपा की सरकार ना तो गरीब की है ना किसानो,ना जवानो की,ना आम इंसान की सरकार है ये तो सिर्फ. चुनिदे उधयोगपतियों की सरकार है सिर्फ. अपने कुछ ख़ास आकाओ के इशारों पर काम कर रही है।शांतिपूर्ण सत्यग्रह के अवसर पर मुख्य रूप से नोएडा महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर,प्रदेश महासचिव विदित चौधरी,पूर्व विध्याक राजेन्द्र सोलंकी,वरिष्ठ कांग्रेसी नेता प्रेम सिंह नेता जी,वरिष्ठ कांग्रेस नेता कुंवर नूर मोहमद,पूर्व अध्यक्ष रामकुमार कुमार ,प्रदेश सचिव विनोद पांडेय,प्रदेश सचिव मुकेश यादव,पीसीसी देवेंद्र भाटी,प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक लियाक़त अली,युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष पुरशोत्तम नागर,किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष गौतम अवाना,उपाध्यक्ष ललित अवाना,उपाध्यक्ष हरेन्द्र शर्मा,कोषाध्यक्ष रामकुमार शर्मा,महासचिव आरवेश प्रथम,महासचिव जितेन्द्र चौधरी,अशरफ़ खां,संजय तनेजा,आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मोजूद थे।

सोलर पंप के अनुदान के लिए विभागीय पोर्टल पर 1 जुलाई से प्रारंभ होगी पंजीकरण प्रक्रिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर सुहास एलवाई के निर्देशों के क्रम में उप कृषि निदेशक गौतम बुद्ध नगर ने जनपद के समस्त कृषकों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है जलवायु परिवर्तन के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर कार्बन की तीव्रता कम करने, सोलर पंप की स्थापना से सिंचाई लागत को कम करने एवं विद्युत रहित क्षेत्र में उपलब्ध डीजल पंप अथवा सिंचाई के अन्य साधनों के स्थान पर सोलर पंप से सिंचाई को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनपद में सोलर पंप पर अनुदान की व्यवस्था की गई है, जिससे कृषकों की सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने बताया कि सोलर ?पंप वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के रूप में कृषकों के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहा है।जनपद में 2 एच0पी0ए0सी0 (सबमर्सिबल) के 5 सोलर पंप, 2 एच0पी0डी0सी0 (सबमर्सिबल) के 5 सोलर पंप, 3 एच0पी0ए0सी0 (सबमर्सिबल) के 25 सोलर पंप, 3 एच0पी0डी0सी0 (सबमर्सिबल) के 13 सोलरपंप, 5 एच0पी0ए0सी0 (सबमर्सिबल) के 20 सोलर पंप, 7.5 एच0पी0ए0सी0 (सबमर्सिबल) के 3 सोलर पंप, 10 एच0पी0ए0सी0 (सबमर्सिबल) के 2 सोलर पंप, कुल 73 सोलर पंप स्थापित कराये जायेंगे। जनपद में(अतिदोहित एवं क्रिटिकल क्षेत्र को छोड़कर) ही योजना का लाभ कृषकों को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना से लाभान्वित होने के लिए इच्छुक कृषक पहले आओ पहले पाओ के आधार पर विभागीय पोर्टल पर 1 जुलाई 2022 से लक्ष्य पूर्ण होने तक लिंक पर क्लिक कर ऑनलाइन बुकिंग की जाएगी साथ ही सोलर पंप के लिए बुकिंग जनपदवार एवं क्षमतावार आवंटित लक्ष्य की सीमा तक ही टोकन कंफर्म होने पर कृषक अंश जमा करने के लिए निर्गत किये जाएंगे। टोकन पर कृषक का पंजीकरण संख्या, कृषक का नाम, पिता का नाम, चयनित पंप की क्षमता तथा टोकन के रूप में जमा की जाने वाली कृषक अंश की धनराशि अंकित की जाएगी।

आजादी के अमृत महोत्सव पर क्यूबा ने जारी किया डाक टिकट.....

नई दिल्ली । भारत से क्यूबा को चावल की खरीदी के लिए 100 मिलियन यूरो के एक अल्पकालिक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। वहीं, क्यूबा सरकार ने भारत की स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए विशेष डाक टिकट जारी किया। भारत और क्यूबा के बीच विदेश कार्यालय परामर्श का दूसरा दौर 27 जून को हवाना में संपन्न हुआ।अधिकारियों

ने कहा कि दुखद घटना एक अनियंत्रित चौराहे पर हुई जहां किसी चेतावनी रोशनी या गेट के बिना एक सड़क शहर के दक्षिण-पश्चिम में रेल की पटरियों को पार करती है। एमट्रैक ने कहा कि ट्रेन दोपहर करीब 12:42 बजे मेंडन शहर के पास एक सार्वजनिक क्रॉसिंग पर डंप ट्रक से टकरा गई। कंपनी के अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि मेंडन, मिसौरी के पास एक सार्वजनिक क्रॉसिंग पर खड़े इस ट्रक से ट्रेन टकरा गई।

सेक्टर 71 के सेंट्रल पार्क में राहुल मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का शानदार आगाज किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। एनसीसी क्रिकेट क्लब सेक्टर 71 के द्वारा राहुल मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का शानदार ओपनिंग शिरोमणि किया गया टूर्नामेंट का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के दर्जा प्राप्त मंत्री नवाब सिंह नागर व कैप्टन विकास गुप्ता समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष दीपक विग आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र जादौन, फोनोरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा , समाजवादी पार्टी यूवजन सभा के राष्ट्रीय सचिव अमित यादव,राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष विजेंद्र यादव के द्वारा धूमधाम से बॉल खेल कर किया गया, यहां पर बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने का काम किया, टूर्नामेंट की शुरुआत राष्ट्रीय गान से किया गया टूर्नामेंट की ओपनिंग में मौजूद और प्रमुख लोगों में समाजवादी पार्टी महानगर उपाध्यक्ष विपिन अग्रवाल, शकील सैफी गौरव चाचरा, समाजवादी पार्टी के मीडिया प्रभारी व प्रवक्ता गौरव कुमार यादव इनके अलावा एम सी सी क्रिकेट क्लब के कैलाश साह, मनोज जयसवाल सुरजीत राजेश नायक मुकेश शर्मा मदन पाल मोनिंदर शर्मा आकाश रोहन अमित कसाना विशाल ,चिराग, मुख्य रूप से उपस्थित रहे आज का मैच स्काई वाकर्स, व एसर्स 11 के बीच खेला गया।

30 जून को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नोएडा में होगा अप्रेंटिस एवं रोजगार मेले का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नोएडा के प्रधानाचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि आई.टी.आई. पास अभ्यार्थियों के लिए आगामी 30 जून को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सेक्टर 31 निठारी नोएडा जनपद गौतम बुद्ध नगर में अप्रेंटिस एवं रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रदेश के समस्त राज्य और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से किसी भी ट्रेड में आईटीआई व 10वीं एवं 12वीं पास अभ्यर्थी अपने मूल प्रमाण पत्रों सहित सुबह 10:00 से शाम 4:00 बजे तक मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आयोजित होने वाले अप्रेंटिस एवं रोजगार मेले में जनपद गौतम बुद्ध नगर की नामी-गिरामी कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। अतः आई.टी.आई. एवं 10वीं 12वीं पास अभ्यर्थी आयोजित होने वाले अप्रेंटिस एवं रोजगार मेले में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अप्रेंटिस/रोजगार मेले का लाभ उठाएं।

भूगर्भ जल रिचार्ज हेतु चेकडैम तालाबों का करा रही है निर्माण

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जल और जीवन एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां जल है वहां जीवन है। यदि जल नहीं तो जीवन नहीं। जल से ही जीव-जन्तु, पेड़-पौधों आदि की उत्पत्ति एवं विकास होता है। आज बढ़ती हुई जनसंख्या एवं औद्योगीकरण के कारण भूजल का दोहन अधिक हो रहा है। भूगर्भ जल के स्तर में धीरे-धीरे कमी आ रही है। प्रदेश में गिरते भूगर्भ जल स्तर में सुधार तथा भूगर्भ जल के नियोजित विकास एवं प्रबंधन के साथ भूजल से सम्बंधित समस्याओं के अध्ययन एवं भूजल संरक्षण हेतु जन जागरूकता के लिए 05 योजनाएं यथा-भूगर्भ जल सर्वेक्षण का विकास, आंकलन एवं सुदृढ़ीकरण, शासकीय भवनों पर रूफटाप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना, भूजल संसाधनों की गुणवत्ता का अनुश्रवण एवं मैपिंग, भूजल जन- जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार तथा राज्य भूजल भवन की स्थापना तथा नये पीजोमीटर की स्थापना की नवीन योजनायें प्रस्तावित हैं। प्रदेश में भूजल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण, प्रबन्धन एवं विनियमन के दृष्टिगत उ0प्र0 भूगर्भ जल (प्रबन्धन एवं विनियमन) अधिनियम- 2019 लागू किया गया है। प्रदेश सरकार भूजल के गिरते स्तर को सामान्य लाने के लिए सम्बंधित क्षेत्रों में वर्षा जल को रोकने के लिए बन्धियां/चेकडैम, बांध, तालाब, पोखरों आदि का निर्माण कराकर जलस्तर बढ़ाने की योजनाएं संचालित की है। घरों तथा शासकीय भवनों में रूफटाप रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की योजना संचालित है। जिसके अन्तर्गत शासकीय भवनों एवं निजी घरों के छतों से आने वाले वर्षा के पानी को खोदे गये गड्ढों/हार्वेस्टिंग प्रणाली में एकत्रित कर भूगर्भ जल रिचार्ज में अभिवृद्धि की जा रही है। प्रदेश के डार्क घोषित विकास खण्डों में सरकार द्वारा बंधियां, चेकडैम, तालाबों का निर्माण कराया जा रहा है। भूगर्भ जल रिचार्ज में अभिवृद्धि हेतु स्थानीय नदी, नालों, एवं वर्षा के जलबहाव वाले स्थलों पर चेकडैम बनाकर वर्षा जल को रोकते हुए भूगर्भ जल स्तर को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में अब तक विभिनन नदियों, नालों आदि पर 390 से अधिक चेकडैम बनाये गये हैं। जिनपर प्रदेश सरकार द्वारा 141.51 करोड़ रूपये व्यय किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्द्धन के अन्तर्गत क्रिटिकल तथा अतिदोहित चयनित विकास खण्डों में भूजल संवर्द्धन, सिंचाई, मछली पालन, पशुओं के लिए पीने का पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने आदि कार्यों हेतु तालाबों का निर्माण/जीणोद्धार कराया जा रहा है। तालाबों के पुनर्विकास एवं प्रबंधन हेतु 01 हे0 से 05 हेक्टेयर क्षेत्रफल तक के तालाबों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2019-20 में 47.60 करोड़ रू0 व्यय करते हुए 118 तालाबों का निर्माण कराया है तथा वित्तीय वर्ष 2020-21 में 48 करोड़ रू0 व्यय करते हुए अब तक 117 तालाबों का निर्माण/जीणोद्धार कराया गया है। वर्ष 2021-22 में 45 तालाबों का जीर्णोद्धार/निर्माण करते हुए 11.44 करोड़ रुपये व्यय किये गये है। प्रदेश सरकार भूगर्भ जल के स्तर में वृद्धि करते हुए कृषि उत्पादन में वृद्धि हेतु कृत संकल्पित है। इस दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा कराये जा रहे कार्य सराहनीय है।

मोज़ोकेयर ने नोएडा, भारत में वैश्विक सहायता केंद्र शुरू किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। दुनिया भर के चुने हुए अस्पतालों में पेशेवर चिकित्सा देखभाल प्राप्त करना अत्यधिक शुल्क के बिना संभव है घ् हमारा मिशन , समय सीमा या बजट की परवाह किए बिना सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान कराना है। मोज़ोकेयर आसानी से उपयोग करने वाला प्लेटफार्म मरीजों को विदेशों में सस्ती, उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपचार निर्धारित करने में मदद करती है 2014 से, मोज़ोकेयर ने कैंसर के इलाज, लीवर और किडनी ट्रांसप्लांट, ब्रेन सर्जरी से लेकर बेरिएट्रिक सर्जरी तक की प्रक्रियाओं के लिए 170 विभिनन देशों के 100,000 से अधिक रोगियों को डॉक्टरों के साथ जोड़ा हैएक बाज़ार के रूप में अस्पतालों के लिए मोज़ोकेयर के पास चुनने के लिए वैश्विक अस्पतालों का एक विस्तृत पोर्टफोलियो है, जिसमें मदद करने के लिए व्यावहारिक रैंकिंग और रेटिंग हैं। मरीज और उनके रिश्तेदार अपना अस्पताल, गंतव्य या डॉक्टर चुन सकते हैं।अब, मोज़ोकेयर ग्लोबल पेशेंट सपोर्ट सेंटर जो नोएडा, भारत में स्थित है , हमारे रोगियों और मोज़ोकेयर नेटवर्क के प्रतिनिधियों को उनकी जरूरत की सहायता प्रदान करने के लिए 4 वैश्विक केंद्रों से 12द्ध भाषाओं में उपलब्ध है।, फोन और ईमेल समर्थन के अलावा, सपोर्ट सेंटर (जीपीएससी) भी लाइव चैट समर्थन प्रदान करता है। उच्च प्रशिक्षित सहायता विशेषज्ञों की हमारी टीम आपकी भाषा बोलती है और आपके समय क्षेत्र अनुसार काम करती है घ् आप जितना सोचते हैं हम उससे अधिक आपके करीब हैं मोज़ोकेयर चौबीसों घंटे चिकित्सा जानकारी, परामर्श, वीज़ा जानकारी, होटल में ठहरने, दवाओं, लैब परीक्षण , फ्लाइट बुकिंग, प्री और पोस्ट-ट्रीटमेंट केयर 24 घंटे का सहायक , खोजने और बुक करने के लिए एक विश्वसनीय मंच है घ् मैज़ोकेयर रोगियों से किसी भी प्रकार कघ् कमीशन या छिपी हुई फीस नहीं लेता है।मोज़ोकेयर के एक प्रवक्ता ने कहा, ङ्घआपका अनुरोध दर्ज करने के 4-24 घंटों के भीतर हमें एक उपचार कार्यक्रम मिलता है। हमारी

अत्यधिक अनुभवी और सहायक टीम ने चिकित्सा यात्रियों को पूर्ण संतुष्टि प्रदान की है। मूल्य पारदर्शिता बनाए रखना मोज़ोकेयर के प्रमुख तत्वों में से एक है। अपनी समर्पित खोज सुविधा के साथ मोज़ोकेयर रोगियों को 200द्ध गंतव्यों से उपचार के लिए सवीत्तम अस्पतालों तक पहुंचने में मदद करता है। उपयोगकर्ता बस सवीत्तम- अनुकूल अस्पतालों और उपचार योजनाओं को प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं और वांछित स्थान का चयन कर सकता है घ्मो ज़ो केयर कीमोथेरेपी,विकिरण चिकित्सा, इम्यूनोथेरेपी, कैंसर लक्षित चिकित्सा, हामीन थेरेपी, स्टेम सेल प्रत्यारोपण, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण, प्रोटॉन थेरेपी, सटीक चिकित्सा जैसे विशेष कैंसर उपचारों को सूचीबद्ध करता है। मामलों को आसान बनाते हुए, देखभाल रिसीवर 'गेट कोट' विकल्प का लाभ उठाकर अपनी उपचार लागत का अनुमान भी प्राप्त कर सकते हैं। उपचार के लिए कीमतें अनुरोध पर संरक्षकों के लिए उपलब्ध हैं और संपर्क विवरण भरकर आसानी से प्राप्त की जा सकती हैं। प्लेटफ़ॉर्म में ग्राहकों को कीमतों पर सवीत्तम सौदों की पेशकश करने वाले ऑन्कोलॉजी अस्पतालों के बारे में सूचित करने के लिए एक 'सर्वश्रेष्ठ मूल्य गारंटी' सुविधा भी है। उपयोगकर्ता अपने चयनित अस्पताल के बारे में पूरी जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें अस्पताल द्वारा प्राप्त प्रमाणपत्र, सबसे प्रशंसित उपचार योजनाएं और एक सामान्य अवलोकन शामिल है। डॉक्टरों की एक पूरी सूची भी विस्तृत अस्पताल की जानकारी के साथ उपलब्ध है। प्लेटफ़ॉर्म एक आसान क्लिक के साथ अपॉइंटमेंट बुक करने में भी सक्षम बनाता है।स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में निजीकरण की प्रवृत्ति के साथ सिंक में रखते हुए, मोज़ोकेयर अपने संरक्षकों को अनुकूलित उपचार योजनाओं का विकल्प भी प्रदान करता है। मंच की कल्पना हेल्थकेयर रिसीवर और दाता के बीच की खाई को पाटने के एकमात्र उद्देश्य के साथ की गई है, इसे बजट के अनुकूल और परेशानी मुक्त बनाया गया है घ् मोज़ोकेयर 247 समर्थन, त्वरित प्रतिक्रिया समय और पारदर्शी मूल्य निर्धारण सुनिश्चित करता है। उन्होंने संरक्षकों को सही कॉल करने में मदद करने के लिए 300द्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अस्पतालों के साथ भागीदारी की है।विस्तृत जानकारी, बजट के अनुकूल मूल्य निर्धारण और विकल्पों के विकल्पों की एक विस्तृत सरणी के साथ, मोज़ोकेयर भौगोलिक और राजनीतिक सीमाओं की बाधाओं को समाप्त करके चिकित्सा देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है। मोज़ोकेयर के बारे में मोज़ोकेयर अस्पतालों और क्लीनिकों के लिए एक मेडिकल एक्सेस प्लेटफॉर्म है, जो मरीजों को सस्ती कीमतों पर सवीत्तम चिकित्सा पहुंचने में सहायता करता है। ओंकोपोड कैंसर रोगियों और उनकी देखभाल करने वालों के लिए एक व्यापक संसाधन है जो कीमोथेरेपी दवाओं कघ् संक्षेप , साइड इफेक्ट की जानकारी प्रदान करता है। स्वास्थ्य समाचार, नवीनतम उपचार नवाचार, अस्पताल रैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा उद्योग सूचना और ज्ञान साझाकरण प्रदान करता है। मोज़ोकेयर इनसाइट्स - स्वास्थ्य समाचार, नवीनतम उपचार नवाचार, अस्पताल रैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा उद्योग सूचना और ज्ञान साझाकरण प्रदान करती है।

अमेरिका के मिसौरी में बड़ा ट्रेन हादसा दो लोगों की मौत कई घायल .....

अमेरिका। एमट्रैक मीडिया सेंटर के अनुसार, ट्रेन एक ट्रक से टकरा गई जिसके बाद 8 कार और दो लोकोमोटिव पटरी से उतर गए। अमेरिका के मिसौरी में बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मिसौरी में एमट्रैक ट्रेन के पटरी से उतरने की घटना में दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम 50 लोग घायल हो गए। इस हादसे में लगभग चालक दल के 12 सदस्यों के घायल होने की भी खबर है। एमट्रैक मीडिया सेंटर के अनुसार, ट्रेन एक ट्रक से टकरा गई जिसके बाद 8 कार और दो लोकोमोटिव पटरी से उतर गए। यह ट्रक मेंडन, मिसौरी के पास एक सार्वजनिक क्रॉसिंग पर खड़ा था। बिना गेट वाले क्रॉसिंग पर खड़ा था ट्रक स्लीपर कार वाले एक यात्री रॉबर्ट नाइटिंगेल ने कहा कि जब उसने कुछ सुना तो वह झपकी ले रहा था। यह सब स्लो मोशन की तरह हुआ। यह हिलने लगा और फिर अचानक कुछ हुआ, सारी धूल मेरी खिड़की से अंदर आ गई। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। ऐसा लग रहा था जैसे ट्रक में बड़े पत्थर थे। अमेरिका के बॉय स्काउट्स के राष्ट्रीय मीडिया के निदेशक स्कॉट आर्मस्ट्रांग ने सोमवार को सीएनएन को बताया कि एपलटन, विस्कॉन्सिन के दो बॉय स्काउट सैनिक एमट्रैक ट्रेन में थे और उन्होंने घायल लोगों की सहायता की। आर्मस्ट्रांग ने कहा कि ट्रेन में सवार स्काउट्स की उम्र 14 से 17 साल के बीच होती है और पुष्टि की कि उनमें से कोई भी घायल नहीं हुआ। ये सभी आठ वयस्क सैनिकों के साथ थे।

जी-7 देशों ने की रूस की निंदा, कहा लगाएंगे और प्रतिबंध, यूक्रेन की हार सभी लोकतंत्रों की पराजय होगी.....

इटली । प्रधानमंत्री मारियो ड्रैगी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के साथ एक सत्र के दौरान नेताओं से कहा रूस के साथ युद्ध के मुद्दे पर हम यूक्रेन के साथ है। पीएम ड्रैगी ने कहा कि रूस के खिलाफ युद्ध में हार सभी लोकतंत्रों

की हार होगी। जर्मनी में हो रही जी-7 देशों की बैठक में दूसरे दिन यूक्रेन-रूस युद्ध पर चर्चा हुई। इस दौरान सम्मेलन में मौजूद सभी नेताओं ने कहा कि वे सब यूक्रेन के साथ हैं। बैठक के बाद सभी देशों ने एक साझा बयान जारी किया। जिसमें नेताओं ने बताया कि बेलारूस को रूसी परमाणु मिसाइल ट्रांसफर करना 'गंभीर चिंता' का विषय है। जी-7 नेताओं ने कहा कि वे रूस के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों को आगे भी जारी रखेंगे। इटली के प्रधानमंत्री मारियो ड्रैगी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के साथ एक सत्र के दौरान नेताओं से कहा रूस के साथ युद्ध के मुद्दे पर हम यूक्रेन के साथ है। पीएम ड्रैगी ने कहा कि रूस के खिलाफ युद्ध में हार सभी लोकतंत्रों की हार होगी। संयुक्त बयान में जी-7 नेताओं ने रूस के यूक्रेन पर हमले को अकारण और अनुचित बताते हुए उसकी निंदा की। उन्होंने यह भी कहा कि जी-7 नेताओं ने यूक्रेन को 29.5 बिलियन अमरीकी डालर के समर्थन का वादा किया है। जी-7 नेताओं ने संयुक्त बयान में कहा कि हम रूस और बेलारूस द्वारा सहायता प्राप्त यूक्रेन के खिलाफ क्रूर, अकारण, अन्यायपूर्ण और अवैध आक्रमण की निंदा करते है। नेताओं ने कहा कि हम इसे मान्यता नहीं देंगे। इस विनाशकारी युद्ध ने यूरोप में कहीं अधिक नाटकीय परिणाम उत्पनन हुए है। जी-7 कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका का अंतर-सरकारी राजनीतिक समूह है। जर्मनी उ7 के अध्यक्ष के रूप में शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। भारत-ब्रिटेन शुरु करेंगे राष्ट्रमंडल राजनयिक अकादमी भारत और ब्रिटेन मिलकर राष्ट्रमंडल राजनयिक अकादमी शुरू करेंगे। यह दोनों देशों के युवा राजनयिकों को प्रशिक्षित करेगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनकी ब्रिटिश समकक्ष लिज ट्रस की पिछले सप्ताह रवांडा में हुई बैठक के बाद यह घोषणा की गई है। लिज ट्रस ने कहा, अकादमी के सनतक राष्ट्रमंडल को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों में लोकतंत्र और संप्रभुता के मूल्यों को समर्थन की जरूरत है। ब्रिटेन और भारत 21वीं सदी के लिए अनुकूल एक आधुनिक रामष्ट्रमंडल बनाने और इसके सदस्यों को ठोस लाभ पहुंचाने के लिए यह पहल कर रहे है। रवांडा में दोनों नेताओं ने संयुक्त घोषणा में कहा था कि अकादमी दिल्ली में खोली जाएगी।

क्या रणबीर के बच्चे की मां बनने वाली हैं आलिया भट्ट पोस्ट शेयर कर दी खुशखबरी

नई दिल्ली । आलिया भट्ट और रणबीर कपूर जल्द माता-पिता बनने वाले है। सोमवार की सुबह आलिया भट्ट ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर यह खुशखबरी दी है कि वह गर्भवती हैं। शेयर की गई तस्वीर में रणबीर के साथ, आलिया को अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए देखा जा सकता है, जिसमें लवबर्ड्स स्क्रीन पर देख रहे हैं। उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा है, 'हमारा बच्चा जल्द आ रहा है।

जन्नत वन की सफलता के बाद जन्नत टू की शूटिंग हुई शुरू

प्रयागराज। जनन्त के पहले सीज़न को अटूट प्यार और आशीर्वाद मिलने के बाद दर्शको और श्रोताओं की मांग पर दूसरे सीज़न की तैयारी जोरों पर है।जनन्त सीज़न 2 की

शूटिंग निर्माता एवं निर्देशक राज रसिया जी हैं। उमा दीक्षित जी व मास्टर श्री गणेश श्रीवास्तव और जर्नलिस्ट वैलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर पुनीत अरोरा के मार्गदर्शन में सभी साथी कलाकार - प्रिया त्रिपाठी,ठाकुर आनंद प्रताप सिंह, अलका सिंह ,रंगोली तिवारी,सोनी,स्वेता काजल गौसिया,चारु श्रीवास्तव,मिथिलेश राही ,अंकित पाल,आदर्श आदी,भास्कर एवं अन्य साथी कलाकारों के साथ 26 जून से प्रारंभ होने जा रही है।जल्द ही आप सब इसका आनंद ले सकेंगे।। जिसको कोरियोग्राफ करेंगे भीम सिंह और रंगोली तिवारी जी। जनन्त सीजन 2 में एक बार पुनः अपनी आवाज़ दी है राज़ रसिया एवं प्रिया त्रिपाठी जी ने एवं इसकी रचयिता जिन्होंने कलम के माध्यम से पूरी कहानी को दर्शाया है वो है मधु तिवारी जी। जल्द ही ये एल्बम आप सबके बीच होगा,आप सबसे पहले जैसा प्यार एवं आशीर्वाद की आकांछा करते हैं।इसकी शूटिंग कबाना क्लब में होने जा रही है।

जब आरडी बर्मन ने पिता पर लगाया था अपनी धुन चुराने का आरोप, मजेदार है बाप-बेटे का ये किस्सा

नई दिल्ली । म्यूजिक इंडस्ट्री सिनेमा जगत का एक अहम हिस्सा है, जिसमें कई म्यूजिक डायरेक्टर आए और गए। लेकिन इस इंडस्ट्री में आरडी बर्मन यानी राहुल देव बर्मन सबसे अलग थे, जिन्होने म्यूजिक की दुनिया को एक नई पहचान दी। आज यानी 27 जून को आरडी बर्मन का जन्मदिन है। 300 से ज्यादा फिल्मों में संगीत देने वाले आरडी बर्मन के लिए यह कहना गलत नहीं होगा कि उन्हें संगीत का ज्ञान विरासत में मिला है। उनके पिता एसडी बर्मन अपने

जमाने के मशहूर म्यूजिक डायरेक्ट थे, जिनके गाने आज भी फैंस के दिलों को छू लेते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आरडी बर्मन ने महज नौ साल की उम्र में अपने पिता पर धुन चुराने का आरोप लगा दिया था। आइए आज आपको आरडी बर्मन के जन्मदिन पर उनके बचपन का ये किस्सा सुनाते है। आरडी बर्मन की जिंदगी से जुड़ा यह किस्सा उस दौर का है जब वह महज नौ साल के थे और अपने पिता से दूर कोलकाता में रहकर पढ़ाई करते थे। उन दिनों एसडी बर्मन मुंबई में रहते थे और यहां पर रहकर फिल्मों के लिए म्यूजिक तैयार करते थे। हर पिता की तरह एसडी बर्मन का भी ये मानना था कि राहुल देव पढ़ें-लिखें। लेकिन उनका ध्यान तो बचपन से ही म्यूजिक में था और इसी वजह से एक बार उन्हें एग्जाम में नंबर भी कम आए थे। इस बारे में जब मुंबई में बैठे एसडी बर्मन को पता चला तो वह तुरंत ही कोलकाता पहुंच गए। एसडी बर्मन ने जब अपने बेटे का रिपोर्ट कार्ड देखा, तब उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने बेटे आरडी बर्मन को खूब फटकार लगाई और पूछा क्या वह पढ़ना नहीं चाहते हैं इस पर आरडी बर्मन ने भी तुरंत अपना जवाब पेश करते हुए कहा कि मैं संगीतकार बनना चाहता हूं। 9 साल की उम्र में बेटे के मुंह से यह बात सुनकर एसडी बर्मन हैरान रह गए थे। लेकिन फिर उन्होंने पूछा कि कोई धुन बनाई है। तब आरडी बर्मन ने तुरंत ही अपने पिता के सामने एक साथ नौ धुन पेश कर दीं। जिसके बाद एसडी बर्मन भी बिना कोई सवाल किए मुंबई लौट आए। इसके कुछ महीनों बाद ही कोलकाता के सिनेमाघरों में फिल्म 'फंटूस' रिलीज हुई, जिसमें आरडी बर्मन ने वही धुन सुनी, जो उन्होंने कुछ समय पहले अपने पिता को सुनाई थी। अपनी धुन यूं अचानक सुनकर आरडी बर्मन भी नाराज हो गए और अपने पिता से बोले कि उन्होंने उनकी धुन चुराई है। इस पर एसडी बर्मन ने भी ऐसा जवाब दिया था, जिससे बेटे राहुल की बोलती बंद हो गई। उन्होंने कहा कि वह देखना चाहते थे कि लोगों को उनकी बनाई धुन पसंद आती भी है या नहीं। पिता की बात सुनकर आरडी बर्मन कुछ नहीं बोल पाए।

रणदीप हुड्डा ने निभाया वादा पाकिस्तान की जेल में मारे गए सरबजीत की बहन दलबीर कौर को दी मुखाग्नि

नई दिल्ली । सरबजीत सिंह की बहन दलबीर कौर का रविवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। दलबीर कौर के निधन की खबर सुनते ही फिल्म सरबजीत में मुख्य किरदार निभाने वाले रणदीप हुड्डा अंतिम संस्कार करने के लिए तुरंत मुंबई से निकल गए। दरअसल, कई साल तक पाकिस्तान की जेल में बंद रहे सरबजीत सिंह पर बनी बायोपिक में रणदीप हुड्डा सरबजीत के किरदार में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके अभिनय से प्रभावित दलबीर ने रणदीप को ही अपना भाई मान लिया था। रणदीप और दलबीर दोनों ने एक साथ एक अच्छा बंधन साझा किया था। दोनों का भाई-बहन का यह रिश्ता इतना पवित्र था कि दलबीर ने रणदीप को मरने पर 'कंधा' देने के लिए कहा था। अभिनेता ने भी दलबीर को वादा किया था कि वह उनकी इस इच्छा को जरूर पूरा करेंगे। दलबीर की मौत के बाद रणदीप अपने इस वादे को पूरा करते हुए रविवार को उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इस दौरान एक्टर ने ना सिर्फ दलबीर को कंधा दिया बल्कि उन्हें

मुखाग्नि भी दी। गौरतलब है कि दलबीर कौर ने अपने भाई सरबजीत सिंह के लिए लंबी लड़ाई लड़ी थी। पाकिस्तान की जेल में बंद सरबजीत को रिहा करवाने के लिए उन्होंने हर मुमकिन कोशिश की थी। अपने भाई को रिहा कराने के लिए उन्होंने भारत सरकार से लेकर पाकिस्तान सरकार तक से गुहार लगाई। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार उन्हें जीत भी मिल गई थी। लेकिन जिस दिन सरबजीत सिंह की रिहाई होनी थी, उसी रात कुछ कैदियों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें उनकी मौत हो गई बता दें कि साल 1990 में पंजाब के गांव भिखीविंड का सरबजीत सिंह शराब के नशे में सीमा पर करके पाकिस्तान चला गया था। इस दौरान वहां की पुलिस ने उसे पकड़कर बम धमाकों का आरोपी करार दिया था। पाकिस्तान पुलिस का कहना था कि सबरजीत भारत की जासूस है। इसके बाद इस आरोप के चलते पाकिस्तान की अदालत ने सरबजीत सिंह को फांसी की सजा सुनाई थी। भाई पर हो रहे इस अत्याचार पर उनकी बहन दलबीर कौर कानूनी लड़ाई लड़नी शुरू की और इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर अभियान छेड़ दिया था। सरबजीत के जीवन पर आधारित 'सरबजीत' में रणदीप हुड्डा ने सरबजीत और ऐश्वर्या राय बच्चन ने दलबीर कौर की भूमिका निभाई थी।

निजी जिंदगी के चलते साथ काम करने से मना कर चुके हैं बॉलीवुड के ये सितारे बड़ी फिल्मों का ऑफर भी ठुकराया

नई दिल्ली । बॉलीवुड में जहां गहरा दोस्ताना देखने को मिलता है, वहीं कई बार इनके बीच नाराजगी की चर्चाएं भी सामने आती रहती है। सिनेमा की दुनिया में पर्दे के साथ ही रियल लाइफ में भी जोड़ियां बनती और बिगड़ती रहती है। वैसे तो स्टार्स अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी को अलग रखना बखूबी जानते हैं लेकिन न चाहते हुए भी कई बार इनकी निजी जिंदगी का असर प्रोफेशनल लाइफ पर भी पड़ता है। इसी के चलते कई ऐसे सितारें हैं, जो ऑनस्क्रीन एक साथ काम करने से मना कर चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, साल 2016 में आई फिल्म 'बार बार देखो' के लिए रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण को साथ में अप्रोच किया गया था लेकिन रणवीर सिंह ने इस फिल्म के लिए मना कर दिया था। कहा जाता है कि उस समय कटरीना और दीपिका के बीच रिलेशन अच्छे नहीं थे और इसी को लेकर रणवीर ने एक्ट्रेस के साथ काम करने से मना कर

दिया था। फिल्म ब्लैक में अभिनेत्री रानी मुखर्जी नजर आईं थीं लेकिन बताया जाता है कि उनसे पहले इसके लिए करीना को अप्रोच किया गया था लेकिन बिग-बी ने उनके साथ काम करने से इंकार कर दिया, जिसके बाद रानी को इस फिल्म के लिए साइन किया गया। संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत में दीपिका के अपोजिट महाराजा 'रतन सिंह' के किरदार में शाहिद कपूर नजर आए थे लेकिन मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस रोल को पहले विक्की कौशल के लिए ऑफर किया गया था लेकिन विक्की कौशल ने एक्ट्रेस के साथ काम करने से मना कर दिया था। बॉलीवुड के सलमान खान और एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय को फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में साथ देखा गया था और फैंस ने इनकी जोड़ी को काफी पसंद किया था, लेकिन इसके बाद दोनों को आज तक एक साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए नहीं देखा गया है। रिपोर्ट की माने तो संजय लीला भंसाली फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' सलमान और ऐश्वर्या को लेना चाहते थे लेकिन एक्ट्रेस ने सलमान के साथ काम करने से मना कर दिया और इसकी वजह सभी बखूबी जानते हैं।

इंडस्ट्री में अपने बुरे दौर पर पूजा हेगड़े ने खुलकर की बात

नई दिल्ली । बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े कम समय में ही इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। कई शानदार फिल्मों में नजर आ चुकी पूजा के लिए इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था। सफलता का स्वाद चखने के लिए एक्ट्रेस को कई उतार- चढ़ाव भी देखने को मिले। हाल ही में अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में अपने सफर और उससे जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। एक बातचीत में पूजा ने बताया कि ठमेरे करियर का उच्चतम समय तब था जब मेरे पास लगातार छह हिट फिल्में थीं और यह आश्चर्यजनक था। लेकिन इससे पहले मेरे करियर का सबसे बुरा दौर तब था जब मेरे करियर की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि एक फिल्म से मैंने उड़ान भरी और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। यह ऐसा था जैसे एक फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया और फिर एक साल ऐसा भी आया जब मेरे पास काम नहीं था। 31 वर्षीय पूजा ने आगे बताया कि उस दौरान मुझे ऐसी फिल्में नहीं मिल रही थीं, जो मैं करना चाहती थी। जब मुझे ऐसी फिल्म मिल गई, तो वह कुछ खास कमाल नहीं कर पाई और फिर एक तेलुगू फिल्म ने आखिरकार मेरे लिए में काम किया और तब से, यह अद्भुत रहा है। अपने इस पूरे सफर को एक रोलर कोस्टर राइड बताते हुए पूजा कहती हैं कि यह मजेदार भी था। वहीं, फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि हर फिल्म अपनी नियति के साथ आती है। पूजा आगे कहती हैं कि जिस क्षण मैं खुद को बॉक्स ऑफिस से जोड़ना शुरू करती हूं और कल अगर कोई फिल्म अच्छा नहीं करती है, तो यह मुझे प्रभावित करेगा। इसलिए आपको सफलता या असफलता को समान रूप से प्रभावित नहीं होने देना है।ङ्क हाल ही में आने वाली अपनी फिल्मों को क्या वह अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दौर के रूप में देखती हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए वह कहती हैं, ठमैं इसे इस तरह नहीं देखना चाहती, बल्कि अपने करियर के सबसे धन्य चरण के रूप में देखना चाहती हूं। मुझे अब भी लगता है कि मुझे अभी लंबा सफर तय करना है और मैं अलग-अलग तरह की फिल्में करना चाहती हूं। एक्ट्रेस ने कहा कि ऐसे कई ड्रीम डायरेक्टर है जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। एक अभिनेता, कलाकार के रूप में कहने के लिए बहुत कुछ है। मेरे लिए इसे अपना सर्वश्रेष्ठ चरण कहने के लिए अभी भी बहुत कुछ होना बाकी है। जब आप एक न्यू कमर की तरह महसूस करते हैं, तो आपको हमेशा अधिक भूख लगती है। मैं हमेशा यही बनना चाहती हूं।ठ गौरतलब है कि पूजा जल्द ही दिसंबर में रणवीर सिंह के साथ सर्कस नजर आएंगी। इसके अलावा उन्होंने सलमान खान के साथ अपनी फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। साथ ही वह तेलुगु में महेश बाबू के साथ एक फिल्म कर रही हैं।

साथ आई 'सालार' और 'प्रोजेक्ट के' की टीम क्या आपने देखी यह पिक्चर परफेक्ट तस्वीर

नई दिल्ली । पैन इंडिया स्टार प्रभास जल्द ही फिल्म 'सालार' और 'प्रोजेक्ट के' में नजर आने वाले है। इस वक्त जहां अभिनेता 'प्रोजेक्ट के' की शूटिंग में व्यस्त है, वहीं 'सालार' के मेकर्स फिल्म की तैयारियां में जुटे हुए हैं। रविवार की रात दोनों - 'सालार' और 'प्रोजेक्ट के' की टीम की मुलाकात हुई और दोनों ने मिलकर खूब मस्ती की। इस दौरान के राघवेंद्र राव, नानी और दुलकर सलमान विशिष्ट अतिथि थे। वहीं कुछ समय से 'प्रोजेक्ट के' की शूटिंग कर रहे बिग बी और प्रभास भी इस बैश में मौजूद थे। सालार और प्रोजेक्ट के की टीमों का यह मिलन लोगों को काफी पसंद आ रहा है और वह पार्टी की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर जमकर शेयर कर रहे हैं। बता दें कि वैजयंती मूवीज ने हाल ही में तेलुगू इंडस्ट्री में अपने 50 साल पूरे किए हैं। इसी उपलक्ष्य में प्रोडक्शन हाउस वैजयंती मूवीज ने हैदराबाद में एक नया ऑफिस का उद्घाटन किया। हैदराबाद में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रभास, अमिताभ बच्चन, नानी, दुलकर सलमान और केजीएफ के निदेशक प्रशांत नील समेत कई हस्तियां मौजूद रहीं। इतने करोड़ में बनेगी 'प्रोजेक्ट के' निर्देशक नाग अश्विन की 'प्रोजेक्ट के' एक साइंस फिक्शन फिल्म है, जिसे तेलुगू और हिंदी में एक साथ शूट किया जा रहा है। इस फिल्म में प्रभास, अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो प्रभास की यह आगामी फिल्म 500 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट में बन रही है।

लंबे समय से है पीटी ऊषा पर बायोपिक बनने की चर्चा, अब तक शुरू नहीं हो सकी शूटिंग

नई दिल्ली । भारत के ट्रैक एंड फील्ड के इतिहास में महिला वर्ग में पीटी उषा का नाम बड़े ही अदब के साथ लिया जाता है। उनकी तेज रफ्तार की वजह से उन्हें 'पय्योली एक्सप्रेस' भी कहा जाता था। 80 और 90 के दशक में अपने शानदार खेल से उन्होंने देश का नाम खूब रोशन किया। केरल के कोझिकोड स्थित पय्योली गांव में 27 जून 1964 को जन्मी पीटी उषा आज अपना 58वां जन्मदिन मना रही है। परिवार की गरीबी की वजह से एथलीट बनने में उनके सामने अनेक कठिनाइयां आईं लेकिन इन सब मुश्किलों से पार पाते हुए वह एक महान धावक बनीं और देश का नाम रोशन किया। बॉलीवुड में बायोपिक बनाने का रिवाज बहुत पुराना है। पिछले कुछ वर्षों में कई खिलाड़ियों की बायोपिक बनाई जा चुकी है जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया है। इसी कड़ी में पीटी उषा की भी बायोपिक की घोषणा की गई थी। इस महान धावक पर फिल्म

बनने की चर्चा सबसे पहले साल 2017 में सुनने को मिली थी। इस खबर के सामने आने के बाद लोगों में काफी खुशी थी कि भारत की इस महान धावक की कहानी बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। लेकिन किसी न किसी वजह से फिल्म की शूटिंग टलती चली गई। अनाउंसमेंट के तीन साल तक इस बायोपिक को लेकर कोई बड़ी जानकारी सामने नहीं आई। लेकिन साल 2020 में कोरोना महामारी के दौरान जब खुद पीटी उषा ने इस फिल्म के बारे में जानकारी दी तो लोगों में दोबारा उम्मीद जग गई। जून महीने में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया था कि फिल्म की शूटिंग साल के अंत तक शुरू हो जाएगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि अगर प्रतियोगिताएं शुरू हो जाती हैं तो उनके पास टाइम बहुत कम रहेगा लेकिन वह उस अभिनेत्री को प्रशिक्षित करने की पूरी कोशिश करेंगी जो उनका किरदार निभाएगी। हालांकि उनके इस बयान के दो साल बाद भी फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं हो सकी है। इस बायोपिक की शूटिंग कब से शुरू होगी इसकी कोई आधिकारिक घोषणा भी नहीं की गई है। बॉलीवुड में अब तक कई खिलाड़ियों पर बायोपिक बन चुकी है जिसे दर्शकों का ढेर सारा प्यार भी मिला है। फ्लाइंग सिख के नाम से मशहूर मिल्खा सिंह पर राकेश ओमप्रकाश मेहरा 'भाग मिल्खा भाग' बना चुके है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई भी कर चुकी है। इसके अलावा पहलवान महाबीर सिंह फोगाट पर नितेश तिवारी दंगल फिल्म बना चुके हैं। इस फिल्म ने भारत ही नहीं बल्कि विदेश में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। आमिर खान स्टारर इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड लगभग 2000 करोड़ का कलेक्शन किया था।

निम्मी के साथ काम करने को तरसते थे स्टार्स, शोमैन की फिल्म में सपोर्टिंग रोल को हो गई थीं तुरंत राजी.....

नई दिल्ली । दिवंगत अभिनेत्री निम्मी उर्फ नवाब बानो 50 और 60 के दशक की नामी अभिनेत्रियों में शुमार थीं। बड़े-बड़े फिल्म निर्माता और निर्देशक उनके साथ काम करने को तरसते थे। उन्होंने कम उम्र में ही बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बना ली थी। दरअसल, निम्मी की मां वहीदा अपने समय की मशहूर अभिनेत्री और गायिका थीं। निम्मी की उम्र करीब 11 साल रही होगी, तभी वहीदा का निधन हो गया, जिसके बाद निम्मी को उनके नाना-नानी ने पाला। निम्मी बचपन से ही अपनी मां वहीदा की तरह हीरोइन बनना चाहती थीं। उनकी यह हसरत आखिर पूरी हुई और वह इंडस्ट्री की सबसे चहेती अदाकारा बनीं। बता दें कि निम्मी की मां का महबूब खान से अच्छा रिश्ता था। एक दिन

महबूब ने निम्मी को अपने स्टूडियो में मिलने बुलाया, जहां फिल्म 'अंदाज' की शूटिंग चल रही थी। दरअसल महबूब खान चाहते थे कि निम्मी फिल्म निर्देशन से परिचित हों। इसमें कोई दोराय नहीं कि वह कमाल की अभिनेत्री थीं, मगर स्वभाव से वह बेहद शर्मीली थीं। हालांकि, जब उन्होंने स्टूडियो में कदम रखा तो उन्हें मशहूर अभिनेता और निर्माता-निर्देशक राज कपूर ने देखा। वह उस वक्त फिल्म 'अंदाज' में बतौर अभिनेता काम कर रहे थे। जब उन्होंने निम्मी को देखा तो वह किसी भी कीमत पर अभिनेत्री को अपनी फिल्म 'बरसात' में लेना चाहते थे। राजकपूर ने फिल्म 'बरसात' में निम्मी को लेने का पूरा मन बना लिया था, मगर समस्या यह थी कि इस फिल्म में नरगिस को पहले ही कास्ट कर लिया गया था। ऐसे में उन्होंने निम्मी को सपोर्टिंग रोल निभाने का ऑफर दिया। निम्मी ने भी बिना देर किए फिल्म के लिए हामी भर दी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुल्सीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306060178, 9026359274